दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 127 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 08 अगस्त 2025 डाक-शनिवार 09 अगस्त 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

सैन्य अड्डे पर हमला, सैनिक ने निजी पिस्टल से अपने साथियों पर की ताबड़तोड़ फायरिंगे पांच घायल

जॉर्जिया ,07 अगस्त । स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जॉर्जिया के फोर्ट स्टीवर्ट सैन्य अड्डे पर अपने कार्यस्थल पर कथित तौर पर गोलीबारी करने वाले सेना के सार्जेंट को हिरासत में ले लिया गया। इस फायरिंग में उसके पांच साथी घायल हो गए थे। अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान 28 वर्षीय सार्जेंट क्रोर्नेलियस सेमेंट्रियो रेडफोर्ड के रूप में की है, जिसे गोलीबारी के कुछ ही पल बाद आस-पास के सैनिकों ने काबू कर लिया था। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, तीसरे इन्फैंट्री डिवीजन के कमांडिंग जनरल, ब्रिगेडियर जनरल जॉन लुबास ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि रेडफोर्ड ने हमले के दौरान एक निजी पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। फिलहाल सभी पांच घायल सैनिकों की हालत स्थिर है। लुबास ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उस इलाके में मौजूद सैनिकों ने उसे गोली चलाते हुए देखा और बिना किसी हिचकिचाहट के तुरंत उस सैनिक से भिड़ गए और उसे काबू में कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

एसआईआर-टैरिफ पर संसद ठप, विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही स्थगित, सदन के बाहर भी जमकर प्रदर्शन

नई दिल्ली,08 अगस्त (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र अब तक काफी हंगामेदार रहा है। 14वें दिन भी राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों में जबरदस्त हंगामे का दौर जारी रहा। बिहार में चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अलावा अब अमरीकी टैरिफ और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) फेज 13 की परीक्षा में हुई गड़बड़ी के मुद्दे पर भी सांसदों ने जमकर हल्ला बोला। गुरुवार को विपक्ष के प्रदर्शन के चलते लोकसभा और राज्यसभा में पूरे दिन की कार्यवाही नहीं हो सकी। विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा व राज्यसभा को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर

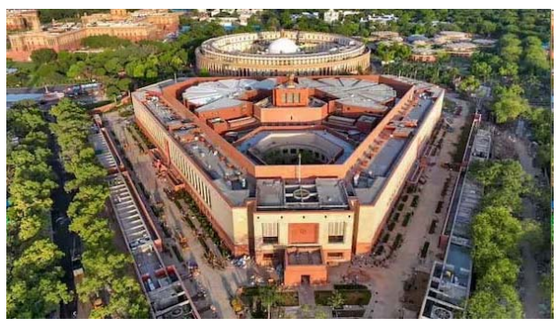

दिया गया। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सदस्य बिहार में एसआईआर प्रक्रिया वापस लेने की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने सदस्यों से कहा कि वे हंगामा न करें मणिपुर से संबंधित विधेयक पारित किए जाने हैं, वे अपने-अपने स्थानों पर जाए और कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दें। हंगामे के बीच ही मणिपुर से संबंधित दो विधेयक पारित किए गए।

हंगामा रुकते न देख श्री पाल ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। उधर, राज्यसभा ने विपक्ष के हंगामे के बीच तटीय पोत परिवहन विधेयक 2025 को पारित कर दिया, जिसमें तटीय क्षेत्र में नौवहन सेवाओं के विस्तार के लिए एक समग्र कानूनी व्यवस्था का प्रावधान है। इसके साथ ही इस पर संसद की मुहर लग गई। पीठासीन उपसभापति घनश्याम तिवाड़ी ने विधेयक के पारित होने पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले विपक्ष के हंगामे के कारण पूर्वाह्न शून्य काल में भी सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले विपक्ष ने संसद परिसर में एसआईआर के मुद्दे पर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

किश्तवाड़ में आतंकी ठिकाना तबाह एके-47 और गोला-बारूद जब्त

जम्मू ,08 अगस्त (एजेंसी)।जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। एक तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों का एक ठिकाना तबाह कर दिया गया। यहां से एक एके-47 रायफल, गोलियों से भरी मैगजीन, 30 राउंड (जिनमें कुछ पाकिस्तानी गोलियां भी शामिल हैं) और एक दूरबीन भी बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी बेरिगुठ-दुगड्डा इलाके से की गई, जो कि छत्रू क्षेत्र में आता है। यह कार्रवाई एक नियमित तलाशी अभियान के दौरान की गई। बरामद हथियार और गोला-बारूद को देखते हुए आशंका व्यक्त की जा रही है

कि क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों की साजिश रची जा रही थी।

हालांकि, समय रहते इसे विफल कर दिया गया। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर सरकार ने मौलाना मौदादी, अरुंधति रॉय, एजी नूरानी, विक्टोरिया स्कोफील्ड और डेविड देवदास जैसे प्रसिद्ध लेखकों की किताबों सहित 25 किताबों के प्रकाशन को झूठे नैरेटिव को बढ़ावा देने और आतंक का महिमामंडन करने के आरोप में जब्त कर लिया है।

बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम, टायर फटने से कार में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

पुंछ ,08 अगस्त (एजेंसी)। श्रीनगर से मुगल रोड होते हुए पुंछ में बाबा बुड्ढा अमरनाथ के दर्शन के लिए आ रहे उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के काफिले में बड़ा हादसा टल गया। रास्ते में उनके वाहन का टायर फटने के साथ उसमें आग लग गई, लेकिन चालक की सतर्कता से सभी सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री अपने पूरे एस्कॉर्ट के साथ श्रीनगर से पुंछ की ओर आ रहे थे। पुंछ से करीब 50 किलोमीटर पहले चंडीमढ़ के जंगल क्षेत्र में अचानक चलते वाहन का टायर फट गया और उसमें आग लग गई। चालक ने तुरंत वाहन सड़क किनारे रोक दिया, जबकि सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने उपमुख्यमंत्री को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरे

वाहन में बैठा दिया। टायर बदलने के बाद वह पुनः अपने वाहन से पुंछ पहुंचे। घटना पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा, हमें कबाड़ वाहन दिए गए हैं। यह तीसरी बार है जब मेरे साथ ऐसा हादसा हुआ है। हमें अच्छे वाहन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे, बल्कि जान से मारने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से तीनों बार हादसों में उनकी जान बची। बाद में उपमुख्यमंत्री ने बाबा बुड्ढा अमरनाथ मंदिर में माथा टेका और छड़ी यात्रा में भाग लेकर शांति व समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह प्रार्थना करते हैं कि अगले वर्ष जब छड़ी यात्रा होगी, तब तक जम्मू-कश्मीर एक पूर्ण राज्य बन चुका हो।

श्री राम के बाद अब बनेगा सीता मंदिर! अमित शाह रखेंगे जानकी मंदिर के पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला

अयोध्या,08 अगस्त (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर बनवाने के बाद अब मोदी सरकार बिहार में मां सीता का मंदिर बनवाने जा रही है। सीता मां के मंदिर को जनकी मंदिर कहा जाता है। श्री राम की पत्नी सीता मां का मयका जनकपुर में था। इस लिए मां सीता का बिहार-नेपाल के तरफ खास कनेक्शन कहा जाता है। यहां के लोग मां सीता की आराधना करते हैं। उन्हें अपनी देवी मानते हैं। अब ,सरकार ने भी लोगों की धार्मिक मान्यताओं का ध्यान रखते हुए जनक मंदिर बनाने का फैसला लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में जानकी मंदिर के पुनर्विकास की परियोजना की शुक्रवार को आधारशिला रखेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीतामढ़ी को देवी सीता की जन्मस्थली माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि 882.87 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना के शिलान्यास

समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कई केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे।

राज्य मंत्रिमंडल ने मंदिर परिसर के एकीकृत विकास के लिए एक जुलाई को 882.87 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। कुल राशि में से 137 करोड़ रुपये पुराने मंदिर और उसके परिसर के विकास पर खर्च किए जाएंगे जबकि 728 करोड़ रुपये पर्यटन संबंधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। इसके अलावा, 10 वर्षों तक व्यापक रखरखाव पर 16 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) इस परियोजना का क्रियान्वयन करेगा। राज्य सरकार ने हाल में मंदिर के निर्माण और पुनर्विकास के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय न्यास का गठन किया है।

हाल ही में अमित शाह मंगलवार को भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले केंद्रीय गृह मंत्री बन गए हैं। 30 मई, 2019 को पद संभालने के बाद से 2,258 दिनों तक पद पर रहने के साथ, शाह ने अब वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। शाह के कार्यकाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता गोविंद बल्लभ पंत को भी पीछे छोड़ दिया है, जिससे वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हो गई है।

संयोग से, शाह ने यह उपलब्धि 5 अगस्त को हासिल की, जिस दिन उन्होंने 2019 में संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की घोषणा की, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया। अमित शाह से पहले, गृह मंत्री के रूप में सबसे लंबे कार्यकाल की सेवा करने वाले नेताओं में कांग्रेस नेता गोविंद बल्लभ पंत और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता लाल कृष्ण आडवाणी शामिल हैं। इसकी तुलना में, अमित शाह 30 मई, 2019 से गृह मंत्री के रूप में कार्यरत हैं और 4 अगस्त, 2025 तक वे अपने कार्यकाल के 2,258 दिन पूरे कर लेंगे।

वाह वाह

बॉयफ्रेंड- जानू कहां गायब थी 3 घंटे से?

गर्लफ्रेंड- मॉल गई थी बेबी, शॉपिंग करने

बॉयफ्रेंड- अच्छा जानू, क्या-क्या लिया?

गर्लफ्रेंड- बेबी, एक हेयर बैंड और 45 सेल्फी.....

लड़का- बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता

लड़की- तो फिर तुम क्या करते हो?

लड़का- मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं....

मुंबई कस्टम्स ने बैंकॉक से आए एक यात्री को किया गिरफ्तार, 14 करोड़ की ड्रग्स बरामद

मुंबई,08 अगस्त (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 14.5 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की है। यह कार्रवाई 5 और 6 अगस्त की दरमियानी रात को की गई, जब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआई) पर तैनात एयरपोर्ट कमिश्नरेट, मुंबई कस्टम्स के अधिकारियों ने एक यात्री को रोक कर तलाशी ली।

मुंबई कस्टम्स की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह जब्ती एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत दर्ज एक केस में की गई है, जिसमें एक यात्री को गिरफ्तार भी किया गया है। अधिकारियों को संदेह हुआ था, जिसके आधार पर उन्होंने बैंकॉक से उड़ान संख्या यूएम141 के जरिए आए एक यात्री को रोका।

आसाराम बापू की हालत गंभीर, डॉक्टर की रिपोर्ट के आधार पर गुजरात हाईकोर्ट ने इलाज के लिए बढ़ाई जमानत

अहमदाबाद,08 अगस्त (एजेंसी)। गुजरात हाई कोर्ट ने सजायाफ्ता आसाराम की अस्थायी जमानत गुरुवार को 21 अगस्त तक बढ़ा दी। उसे गांधीनगर की एक अदालत ने 2013 के दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति पीएम रावल की पीठ ने चिकित्सा आधार पर आसाराम की अस्थायी जमानत 21 अगस्त तक

बढ़ा दी। पीठ ने कहा कि आसाराम एक निजी अस्पताल के आइसीयू में भर्ती है और उसकी स्वास्थ्य स्थिति गंभीर है। अदालत ने आसाराम को तीसरी बार अस्थायी जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा 30 जुलाई को पारित आदेश का उल्लेख किया, जिसमें उसे मुख्य रूप से सेहत के आधार पर अस्थायी जमानत की मियाद बढ़ाने के लिए हाई कोर्ट का रुख करने की छूट दी गई थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, कि याचिकाकर्ता फिलहाल इंदौर के जुपिटर अस्पताल के आइसीयू में है और चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार, उसमें ट्रोपोनिन का स्तर बहुत अधिक पाया गया है।

मेडिकल कॉलेज में जुड़े हुए पैदा हुए दो शिशु, जन्म के 48 घंटे में ही दोनों की मौत

मेरठ ,08 अगस्त (एजेंसी)। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज में जुड़े हुए पैदा हुए दोनों शिशुओं की मौत हो गई है। शव उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए। मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में दुर्लभ जुड़े हुए दो शिशुओं का जन्म हुआ था।

बागपत जिले की पहली बार गर्भवती हुई 24 वर्षीय महिला ने इन बच्चों को जन्म दिया था। दोनों भ्रूणों की वक्ष एवं उदर गुहा संयुक्त थी। उनके यकृत और हृदय जैसे आंतरिक अंग साझा थे। बुधवार को बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नवरत्न ने बताया कि दोनों शिशुओं की मृत्यु हो गई है। इस तरह जुड़े हुए शिशु होना अत्यंत दुर्लभ है। लगभग एक लाख में से केवल एक मामला ऐसा होता है।

मुंगेली में बच्चों के ऊपर गिरा स्कूल की छत का प्लास्टर, दो मासूम हुए लहूलुहान

मुंगेली ,08 अगस्त (एजेंसी)। जिले के ग्राम पंचायत बरदुली स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के जर्जर भवन के छत से प्लास्टर छोटे बच्चों के ऊपर आ गिरा। इस हादसे में 2 बच्चों को गंभीर चोटें आयी हैं। एक बच्चे को सिर में 3 टांके लगाने पड़े हैं। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी ने परिजनों का फोन तक नहीं उठाया।

बता दें कि यह स्कूल पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक पुनूलाल मोहले के ग्राम दशरंगपुर से लगा हुआ है। घटना के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बावजूद बच्चों को बिना

समुचित इलाज के घर भेज दिया गया। शिक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है और प्रशासन अब तक बेखबर बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, घटना में हिमांचुक दिवाकर 9 वर्ष और अंशिका दिवाकर 10 वर्ष को सिर व हाथ में गंभीर चोटें आई। हिमांचुक के सिर में तीन टांके लगे हैं। डॉक्टर ने जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की सलाह दी थी, लेकिन बीईओ ने उन्हें घर छोड़ दिया। बच्चों के परिजनों ने बताया कि डीईओ चंद्र कुमार घृतलहरे ने फोन तक रिसीव करना उचित नहीं समझा। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल भवन पूरी तरह जर्जर है और उसे डिस्मेंटल कर नया भवन बनवाया जाना चाहिए। ग्रामीण तुकाराम साहू ने कहा कि घटना की जानकारी होने पर मैं तुरंत स्कूल पहुंचा और बच्चों को अस्पताल ले कर गया और उपचार में सहयोग किया।

ठगी करने वाले नाइजिरियन और दक्षिणी अफ्रीकी 3 ठग दिल्ली से गिरफ्तार

राजनांदगांव,08 अगस्त (एजेंसी)। विदेशी उपहार और पाउंड पार्सल भेजने के नाम पर महिलाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले तीन अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगों को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियो में दो नाइजीरियन व एक दक्षिण अफ्रीका मूल का नागरिक शामिल है। आरोपी युवतियों से स्नैपचैट के जरिए दोस्ती कर स्वयं को विदेश में रहने वाला धनाढ्य बताकर भरोसे में लेते थे। इसके बाद पार्सल छुड़ाने के नाम पर मोटी रकम ऐंठते थे।

बता दें कि इस गिरोह ने जिले के चिचोला थाना क्षेत्र की एक

युवती से 1,23,700 रुपये की आनलाइन ठगी की थी। इस पर साइबर सेल व पुलिस चौकी चिचोला की संयुक्त टीम ने छानबीन कर आरोपियों को नई दिल्ली के जनकपुरी और उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार किया। तीनों को ट्रांजिट रिमांड पर द्वारका कोर्ट से राजनांदगांव लाया गया है।

प्रार्थिया ने पांच मई को पुलिस चौकी चिचोला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि इंटरनेट मीडिया पर स्नैपचेट प्लेटफार्म पर डा केंड्रीक25 और कालिन्स लियो24 नामक अकाउंट से उससे संपर्क कर दोस्ती की गई। फिर स्वयं को विदेश में रहने वाला आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति बताकर महंगे गिफ्ट व पाउंड भेजने का झांसा दिया गया। इसके बाद एयरपोर्ट कस्टम में पार्सल पकड़े जाने की बात कहकर 1,23,700 रुपये की मांग की गई और यह रकम ऑनलाइन ट्रांसफर करा ली गई। मामले में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस, 66(सी), 66(डी) आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद से स्वीकृत कार्यों को गंभीरता से लेकर पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराएं कलेक्टर्स - मुख्यमंत्री

रायपुर,08 अगस्त (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज जांजगीर-चांपा जिले के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक में प्राधिकरण के बजट को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये करने की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि प्राधिकरण मद से स्वीकृत कार्यों को सभी कलेक्टर्स गंभीरता से लें और उन्हें उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अब प्राधिकरण की बैठक हर वर्ष समय पर आयोजित होगी और कार्यों की गहन समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संविधान की मंशा के अनुरूप अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उत्थान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रदत्त संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हम बाबा गुरु घासीदास जी के 'मनखे-मनखे एक समान' के संदेश को आत्मसात कर समाज में सम्मान और समानता की भावना को सशक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जांजगीर-चांपा जिले को इस बैठक के लिए विशेष रूप से इसलिए चुना गया क्योंकि यह अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, और अब समय आ गया है कि हम विकास की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की संकल्पना के अनुरूप राज्य में विकास के कार्य हुए हैं। अनुसूचित जाति समाज के समुचित विकास के लिए प्राधिकरण एक सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से सरकार ठोस प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने गिरौधपुरी धाम के विकास के लिए 2 करोड़ रुपये, अजा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु कोचिंग व्यवस्था के लिए 50 लाख रुपये, प्रत्येक वर्ष अनुसूचित जाति वर्ग के 5 युवाओं को पायलट प्रशिक्षण हेतु सहायता, तथा जोड़ा जैतखंभ के निर्माण में सीमेंट के साथ-साथ लकड़ी के उपयोग हेतु राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। साथ ही, दिल्ली में संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीट संख्या बढ़ाकर 200 करने की जानकारी

दी और विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु इसका लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने आगामी समय में सभी जिला मुख्यालयों में नालंदा परिसर के निर्माण की भी बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक के दौरान प्राधिकरण मद से स्वीकृत कार्यों के वर्षों से लंबित रहने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही प्राधिकरण के कार्यों की राशि कम हो, लेकिन उनका सामाजिक महत्व अत्यंत बड़ा है। इन कार्यों का समय पर पूर्ण न होना चिंता का विषय है।

बैठक को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अनुसूचित जाति समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की सोच समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में स्पष्ट है। उन्होंने सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए और सभी समाज को साथ लेकर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास का संकल्प दोहराया।

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब ने मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में समाज के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों हेतु आभार प्रकट किया। उन्होंने गिरौधपुरी धाम में रोपवे निर्माण, मेला आयोजन के दौरान बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जोक नदी के पास स्नान हेतु आवश्यक व्यवस्था, ठहरने की सुविधा, जोड़ा जैतखंभ में लकड़ी के उपयोग, बाराडेरा धाम में ऐतिहासिक तालाब का संरक्षण और सौंदर्यीकरण, विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट क्लास की व्यवस्था जैसी मांगें बैठक में रखीं। उन्होंने बजट वृद्धि और मांगों की स्वीकृति के लिए भी आभार व्यक्त किया।

बैठक में प्राधिकरण के स्वरूप, कार्यक्षेत्र, अनुमोदित कार्यों की समीक्षा, बजट प्रावधानों की जानकारी, एवं वित्तीय वर्ष 2020 से 2025 तक स्वीकृत कार्यों की प्रगति सहित नागरिक सुविधाओं, सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों, और शैक्षणिक सुविधा विस्तार जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं प्राधिकरण सदस्यों के प्रस्तावों के आधार पर 49 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के विकास एवं हितग्राही मूलक कार्यों का अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब, मंत्री दयाल दास बघेल, लखन लाल देवांगन, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, टंकराम वर्मा, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक पुनूलाल मोहले, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दिलीप लहरिया, श्रीमती शेषराज हरवंश, श्रीमती उतरी गणपत जांगड़े, श्रीमती कविता प्राण लहरे, श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल सहित रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के आयुक्त, आईजी, एवं 17 जिलों के कलेक्टर उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति प्राधिकरण का कार्यक्षेत्र संपूर्ण राज्य है जिसमें प्रदेश के 17 अनुसूचित जाति बाहुल्य जिले - जांजगीर-चांपा, सक्ती, बिलासपुर, मुंगेली, रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, महासमुंद, राजनांदगांव, खैरागढ़ सहित अन्य वे जिले भी शामिल हैं, जिनमें अनुसूचित जाति जनसंख्या 25 प्रतिशत से अधिक है।

बैठक में जांजगीर-चांपा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, बिलासपुर से राजेश सूर्यवंशी, गरियाबंद से गौरीशंकर कश्यप, अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद एवं बसव राजू, पुलिस महानिदेशक अरुणदेव गौतम, विभागीय सचिव श्रीमती शहला निगार, श्री रोहित यादव, कमलप्रीत सिंह, श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, आर. प्रसन्ना, श्रीमती शम्मी आबिदी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लैंगिक उत्पीड़न आंतरिक शिकायत परिवाद समिति की बैठक साकेत में सम्पन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु गठित आंतरिक शिकायत परिवाद समिति की बैठक बुधवार 06 अगस्त को निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित व्ही.सी. कक्ष में सम्पन्न हुई, समिति के समक्ष किसी भी प्रकार की शिकायत व परिवाद न तो प्रस्तुत किया गया है और न ही लंबित है, इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

निगम में कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु लैंगिक उत्पीड़न निवारण प्रतिरोध और प्रतितोष अधिनियम 2013 के अंतर्गत निगम में आंतरिक शिकायत/परिवाद समिति का गठन किया गया है, जिसकी समय-समय पर बैठक आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में बुधवार 06 अगस्त को निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में समिति की बैठक सम्पन्न हुई, बैठक के दौरान पाया गया कि समिति के पास इस संबंध में कोई भी शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है और न ही किसी प्रकार का परिवाद लंबित है, इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्यालय में लैंगिक उत्पीड़न संबंधी विषयों पर सजग रहने व किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित संज्ञान लेने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में समिति की अध्यक्ष गुलिस्ता साहू, सदस्य सचिव सुभाषिनी आशावान, तारा भगत, कीर्ति अनंत, तिरिथबाई, विनीता सिंह, तुलसीबाई आदि उपस्थित थे।

पशुपालक मवेशियों को सड़क पर खुला न छोड़े अन्यथा होगी दण्डात्मक कार्रवाई

नगर निगम द्वारा आवारा मवेशियों को सड़कों से उठाने की कार्रवाई लगातार जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)।नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा सड़कों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले आवारा मवेशियों को सड़कों, सार्वजनिक स्थलों से उठाकर गोकुलनगर गोठान में पहुंचाने की लगातार कार्यवाही की जा रही है। पूरे निगम क्षेत्र में काऊकेचर के माध्यम से निरंतर पशुओं पर नियंत्रण का कार्य किया जा रहा है, निगम द्वारा वर्तमान में लगभग 200 से अधिक मवेशियों को गोकुलनगर स्थित गोठान में पहुंचाया जा चुका है। वहीं निगम द्वारा पशुपालकों से कहा गया है कि वे अपने मवेशी सड़कों पर खुला न छोड़े, अन्यथा उन पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

अपने पालतू मवेशियों को सड़क पर स्वच्छंद विचरण हेतु छोड़ने वाले पशुपालकों को चिन्हांकित कर उन पर दण्डात्मक कार्यवाही नगर निगम कोरबा द्वारा की जाएगी। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम क्षेत्र के समस्त पशुपालकों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने पालतू मवेशियों को घर पर सुरक्षित रूप से रखें, स्वच्छंद विचरण हेतु सड़कों पर खुला न छोड़ेतथा निगम

द्वारा की जाने वाली किसी भी प्रकार की दण्डात्मक कार्यवाही से बचें, साथ ही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने व यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में अपना सहयोग दें। यहॉ उल्लेखनीय है कि पशुपालकों द्वारा अपने पालतू मवेशियों को सड़क पर खुला छोड़ दिया जाता है, जिसके कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है, आवागमन बाधित होता है, यातायात व्यवस्था बिगड़ती है, वहीं सड़क दुर्घटनाओं में जान-माल का नुकसान होने व मवेशियों के भी घायल होने की आशंका बनी रहती है। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा सड़कों, सार्वजनिक स्थानों से इन मवेशियों को हटाने तथा उन्हें गोठान में पहुंचाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है, अब निगम द्वारा ऐसे पशुपालकों पर जिनके द्वारा अपने पालतू मवेशी सड़क पर छोड़ दिये जा रहे हैं, उन पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पशुपालकों का किया गया चिन्हाकंन– आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर निगम द्वारा क्षेत्र के पशुपालकों, डेयरी संचालकों का नये सिरे से चिन्हाकंन किया गया है तथा पशुपालकों को कड़ी हिदायत दी गई है कि वे अपने मवेशियों को सड़कों पर कदापि खुला न छोड़े। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि निगम क्षेत्र के सभी 07 जोन में पशुपालकों का चिन्हाकंन किया गया है तथा जिन पशुपालकों द्वारा अपने पालतू मवेशी सड़क पर छोड़ दिये जा रहे हैं, उन पर निगम अब दण्डात्मक कार्यवाही भी करेगा।

लगातार जारी रहे अभियान– आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र के सभी मुख्य मार्गो, संपर्क सड़कों, सार्वजनिक स्थानों आदि में सघन रूप से अभियान जारी रहें, खुले में घूमते हुए मवेशियों को काऊकेचर के माध्यम से गोठान में सुरक्षित रूप से पहुंचाएं। गोठान में मवेशियों के लिए चारा, पैरा व शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था अबाध रूप से रहे, यह सुनिश्चित करें, साथ ही मवेशियों का समय-समय में स्वास्थ्य परीक्षण भी कराएं।

अपनी आवासीय कालोनियों में सार्वजनिक प्रतिठान करें कार्यवाही– आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने नगर निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत स्थित समस्त सार्वजनिक व औद्योगिक प्रतिष्ठानों से कहा है कि वे अपनी आवासीय कालोनियों व अधिपत्य क्षेत्रों में आवारा मवेशियों के नियंत्रण की कार्यवाही करें। प्राय: देखने में आ रहा है कि प्रतिष्ठानों की आवासीय कालोनियों के पशुपालक अपनी मवेशी कालोनी की सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं जो मुख्य सड़कों में भी पहुंच कर विचरण करते हैं। अत: सार्वजनिक प्रतिष्ठान अपनी कालोनियों से आवारा मवेशी नियंत्रण की कार्यवाही करें, वे मवेशी को काऊकेचर के माध्यम से सुरक्षित उठाकर निगम के गोकुलनगर गोठान में भी पहुंचा सकते हैं।

राशिफल

मेष राशि - वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा7 आज आपको अपने विचारों के साथ - साथ दूसरे व्यक्तियों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आज आय के साधन बढ़ने के साथ ही खर्चों की भी अधिकता रह सकती है। आज आप अपने कार्यों में बाहरी व्यक्तियों का बिलकुल भी हस्तक्षेप न होने दें।

वृष राशि - वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्कव में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। आज आपके विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। आज शुभचिंतकों का भरपूर साथ मिलेगा और सामाजिक रुप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आज आप दूसरों पर विश्वास न करके खुद पर भरोसा रखें और अपनी बेहतर प्रतिभा को दिखाते हुए अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने की कोशिश करें।

मिथुन राशि - वालों आज का दिन आपके लिए बहुत शानदार रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के साथ ङ्क साथ , दूसरी जगह से भी ऑफर आ सकता है7 इस राशि के छात्र आज किसी नये कोर्स को ज्वॉइन करने का मन बना सकते हैं। आज आप जल्दबाजी की बजाए शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से काम करेंगें , तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कर्क राशि - वालों आज का दिन आपके सुखद बना रहेगा7 आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे और आप किसी नए काम की शुरुआत भी कर सकते हैं7 आज आपको जीवनसाथी के सहयोग से किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी और आज आप अपनी व्यावसायिक कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव लाने की कोशिश करेंगें।

सिंह राशि - वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहेगा7 आज आप उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं, ऐसा करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको अपने ऑफिस और परिवार के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके।

कन्या राशि - वालों आज का दिन आपके लिए बेहद खास रहेगा। आज आपको रोजगार में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगें7 आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। आज किसी भी असमंजस की स्थिति में परिवारवालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा।

तुला राशि - वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज सोसाइटी में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। आज आप अगर पार्टनरशिप सम्बन्धित कोई योजना बना रहे हैं तो उससे जुड़े सभी मामलों पर अच्छे से सोच-विचार कर लें। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा , लेकिन आप स्टाफ की गतिविधियों पर नजर बनायें रखें।

वृश्चिक राशि - वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहेगा। आज आप नए बिजनेस या फिर उससे सम्बन्धित किसी योजना पर विचार कर सकते हैं7 आज आपकी अध्यात्म और धर्म - कर्म के कार्यों में भी रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको मानसिक सुख की प्राप्ति होगी। आज आपको जीवन से जुडी किसी समस्या से राहत मिलेगी।

धनु राशि - वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगें7 आज आपको कारोबारी मामलों में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है। आज आप किसी भी कार्य को करते समय धैर्य और संयम बना के रखें7 आज आपकी रूचि रचनात्मक कार्यों में रहेगी ।

मकर राशि - वालों आज का दिन आपके लिए राहत से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा, जिससे आपका मन संतुष्ट रहेगा। आज सामाजिक तथा सोसाइटी से सम्बन्धित गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी। इस राशि के छात्रों को अपने सीनियर से कुछ नया सीखने को मिलेगा ।

कुम्भ राशि - वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। आज घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा, आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मीन राशि - वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ा लाभ होगा, जिससे आपके घर में खुशियाँ आएँगी। आज आपको अटके हुए धन की प्राप्ति होगी, जिसका उपयोग आप अपने निजी कार्यों में कर सकते हैं।

अपशिट का शतप्रतिशत सोर्स सेग्रीगेशन सुनिश्चित कराएं–आयुक्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने स्वच्छता दीदियों, कमांडों व स्वच्छता कार्य से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण के दौरान यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं, सूखे व गीले कचरे का शतप्रतिशत स्त्रोत पृथकीकरण किया जाए तथा सूखा व गीला कचरा रिक्शें के पृथक-पृथक हिस्से में संग्रहित किया जाए ताकि निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप कचरे का प्रबंधन सुगम रूप से किया जा सके।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के एस.एल.आर.एम.सेंटरों में कार्यरत स्वच्छता सुपरवाईजरों, स्वच्छता दीदियों तथा स्वच्छता कमांडों एवं स्वचछता कार्य से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों, निरीक्षकों की बैठक लेकर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था व डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण कार्य की विस्तार से समीक्षा की। आयुक्त श्री पाण्डेय स्वच्छता दीदियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण के दौरान सूखे व गीले कचरे का शत प्रतिशत सेग्रीगेशन सुनिश्चित कराएं तथा गीला व सूखा कचरा रिक्शें के पृथक-पृथक हिस्से में संग्रहित करें। उन्होने स्वच्छता दीदियों से कहा कि अपशिष्ट संग्रहण के दौरान नागरिकों से सतत रूप से आग्रह करें कि वे अपने घरों में सूखा व गीला कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में संग्रहित करें, दोनों प्रकार के कचरे को आपस में न मिलाएं तथा पृथक-पृथक रूप से कचरा संग्रहण के दौरान आपको, तभी शत प्रतिशत सोर्स सेग्रीगेशन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

शहर को बीट में बांटकर होगी कार्य की निगरानी – आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों से कहा कि डोर-टू -डोर अपशिष्ट संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, व्यवस्था को त्रुटिरहित व चुस्त-दुरूस्त करने शहर को पृथक-पृथक बीट में बांटकर व्यवस्था की मानीटरिंग सुनिश्चित कराएं, प्रत्येक बीट की जिम्मेदारी निर्धारित करें तथा यह देखें कि कोई भी घर ऐसा न बचे जहॉ से कचरे का नियमित संग्रहण न हों। शत प्रतिशत घरों, दुकानों से अनिवार्य रूप से कचरे का संग्रहण प्रतिदिन हो, इस हेतु पूरी सजगता, तत्परता व जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

प्रत्येक घर से कचरा लेने रूट चार्ट व समय निर्धारित हो – आयुक्त श्री पाण्डेय ने स्वच्छता दीदियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने कार्यक्षेत्र में सभी घरों हेतु रजिस्टर में रूट चार्ट तैयार कर प्रत्येक घर से कचरा लेने के समय का निर्धारण करते हुए निर्धारित समय पर कचरा संग्रहित कराएं एवं पंजी में दर्ज करें। उन्होने कहा कि प्रत्येक घर स्वामी को यह जानकारी होनी चाहिए की आप कितने समय पर कचरा संग्रहण हेतु उनके घर पहुंचेगी ताकि उन्हें पूर्व से ही ज्ञात रहे कि अमुख समय पर प्रतिदिन कचरा संग्रहण हेतु स्वच्छता दीदी आएंगी जिससे कि आपको अपशिष्ट देने के लिए नियत समय पर उनका डस्टबिन तैयार

रहे।

नागरिकों से प्राप्त करें सुझाव, शिकायतों पर ले त्वरित एक्शन – आयुक्त श्री पाण्डेय ने संबंधितों से कहा कि वे डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण के दौरान नागरिकों से सफाई व्यवस्था व अपशिष्ट के संग्रहण पर सुझाव भी प्राप्त करें, साथ ही उनके द्वारा की गई शिकायतों के निराकरण की दिशा में त्वरित एक्शन लें। उन्होने कहा कि त्रुटिरहित सफाई व्यवस्था व शहर की स्वच्छता में आमजन की सहभागिता व सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, अत: सबकी सहभागिता प्राप्त करने उनके सुझावों का स्वागत करें, उन पर अमल करें ताकि इस दिशा में अधिकाधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सके।

अन्य शिकायतों को भी दर्ज करें – आयुक्त श्री पाण्डेय ने स्वच्छता कमांडों व स्वच्छता सुपरवाईजरों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्षेत्र में भ्रमण के दौरान साफ-सफाई कार्यो के अतिरिक्त निगम से संबंधित अन्य कार्यो व समस्याओं से संबंधित यदि कोई शिकायत नागरिकों द्वारा की जाती है तो उसे भी वे अपने रजिस्टर में दर्ज करें तथा पीआईयू के माध्यम से उन शिकायतों की जानकारी मुझ तक पहुंचाएं ताकि शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक के दौरान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक सुनील वर्मा, जिला समन्वयक पंकज गवेल, धनमोहन रात्रे, नवीश गुप्ता के साथ स्वच्छता दीदियॉ व स्वच्छता कमांडों आदि उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम ,कोरबा (छत्तीसगढ़)
संपदा शाखा-साकेत भवन, आई.टी.आई.चौक, कोरबा (छ.ग.)
दुरभाष: 07759-221288, फैक्स: 07759-221929, पो. बॉक्स नं. 12 पिन कोड-495677
Website:www.korbamunicipal.in,Email:corporationkorba@gmail.com

फा.क्र./संपदा15/भवन/2025/6958 कोरबा दिनांक 31/07/2025

//आम सूचना//

सर्व साधारण को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि श्रीमती वीणा पाणि पाण्डेय, पति डॉ. सुरेश नारायण पाण्डेय एवं सुरेश नारायण पाण्डेय पिता मनीराम पाण्डेय के संयुक्त नाम पर सरदार वल्लभभाई पटेल नगर कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.) में स्थित भवन क्रमांक एम.आई.जी. 22 का स्वामित्व एवं भूखण्ड क्षेत्रफल 8.50 X 19.80 =168.30 वर्गमीटर को पंजीयन आबंटन शर्तों के तहत 30 वर्षीय लीज अवधि (दिनांक 28.09.1998 से 27.09.2018 तक) हेतु आबंटित किया गया है। आबंटितीगणों में से आबंटिती सुरेश नारायण पाण्डेय पिता मनीराम पाण्डेय की मृत्यु दिनांक 30.03.2025 को बलौदा, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में हो जाने के उपरांत आबंटित भवन / भूखण्ड क्रमांक एम.आई.जी. 22, सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.) के अभिलेखो से उनके नाम को विलोपित करते हुये उनके जीवित विधिक उत्तराधिकारी / सह आबंटिती श्रीमती वीणा पाणि पाण्डेय, पति स्व. सुरेश नारायण पाण्डेय के एकल नाम पर नामांतरण दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसान के आधार कार्ड पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतएव शिवाजी नगर कोसाबाड़ी कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) में स्थित भवन क्रमांक एम.आई.जी. 22 के आबंटिती सुरेश नारायण पाण्डेय पिता मनीराम पाण्डेय की मृत्यु उपरांत आबंटित भवन/भूखण्ड क्रमांक एम.आई.जी. 22, सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर कोरबा के सह स्वामित्व व लीज आधिपत्य से उनके नाम को विलोपित करते हुये उनके विधिक उत्तराधिकारी/शेष आबंटिती श्रीमती वीणा पाणि पाण्डेय, पति स्व. सुरेश नारायण पाण्डेय (पत्नी) के एकल नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर आयुक्त, नगर पालिक निगम, कार्यालय साकेत भवन आई.टी. आई. चौक रामपुर कोरबा में कार्यालयीन समय एवं दिवस में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से दे सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात आबंटित उपरोक्त भवन/भूखण्ड कमांक एम.आई.जी. 22 पर उपरोक्तानुसार नामांतरण दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी तथा प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

कार्यालय अधीक्षक अभियंता
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर
ई- प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु सरल क्र 1 से 7 हेतु दिनांक 28.08.2025 तक निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	नि.आ.सू. /दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1.	229	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग भैसमा अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य प्रथम आमंत्रण कोरबा संभाग, कोरबा मद संख्या-24-3054	133.50
2.	230	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कोरबा अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। प्रथम आमंत्रण कोरबा संभाग, कोरबा मद संख्या-24-3054	157.95
3.	231	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक-1 कटघोरा अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। प्रथम आमंत्रण कोरबा संभाग, कोरबा मद संख्या-24-3054	100.07
4.	232	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक-2 कटघोरा अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। प्रथम आमंत्रण कोरबा संभाग, कोरबा मद संख्या-24-3054	164.68
5.	233	चांपा एवं जांजगीर उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। प्रथम आमंत्रण चांपा संभाग, चांपा मद संख्या-24-3054	96.33
6.	234	जांजगीर उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू. एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। प्रथम आमंत्रण चांपा संभाग, चांपा। मद संख्या-24-3054	195.41
7.	235	पामगढ़ उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम. एम. एवं बी. टी. पेच रिपेयर का कार्य। प्रथम आमंत्रण चांपा संभाग, चांपा। मद संख्या-24-3054	183.50

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेवसाईट में देखें जा सकते है।
जी-252602675/1
अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि.,बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची में राज्य विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार के दौरान।

इस चित्र में एआईसीसी द्वारा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा पार्टी नेता राहुल गांधी नई दिल्ली में इंडिया अलायंस के फ्लोर नेताओं की बैठक के दौरान।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और अन्य लोगों के साथ नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की
बैठक में भाग लेने के बाद रवाना होते हुए।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय ब्लॉक पार्टियों के अन्य सांसदों के साथ नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार में मतदाता सूची के चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ ने तबाही मचा दी। इस आपदा में अब तक 04 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है।

अमेरिका में एक और विमान हादसा: मेडिकल ट्रांसपोर्ट प्लेन क्रैश, चार लोगों की जिंदा जलकर मौत

एपी, चिनले,08 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका में एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट प्लेन अचानक क्रैश हो गया। हवा में उड़ते हुए प्लेन आग का गोला बन गया। इस घटना में 4 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा उत्तरी एरिजोना में नवाजो नेशन में देखने को मिला। प्लेन में 2 पायलट और 2 हेल्थकेयर वर्कर्स मौजूद थे, जिनकी मौत हो गई है। फेडरेल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, बीचक्राफ्ट किंग एअर 300 विमान ने मंगलवार को न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क से उड़ान भरी थी। फिनिक्स से लगभग 300 मील दूर चिनले एअरपोर्ट के पास विमान अचानक से क्रैश हो गया।लैंडिंग से पहले हुआ क्रैश पुलिस कमांडर एम्मेट याजी नके अनुसार, विमान लैंड करने की कोशिश कर रहा था, तभी कुछ गड़बड़ हो गया और विमान हवा में ही क्रैश हो गया। चिनले में एक मरीज की हालत बेहद गंभीर

थी और विमान उसे लेने के लिए ही चिनले रवाना हुआ था। हालांकि, रास्ते में ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।प्लेन क्रैश की वजह साफ नहींट्राइबल अथॉरिटी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर लगभग 12: 44 बजे विमान से धुआं उठने लगा और प्लेन क्रैश हो गया। प्लेन क्रैश की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पहले भी हुआ ऐसा हादसायह पहली बार नहीं है जब अमेरिका में इस तरह का हादसा देखने को मिला है। इससे पहले भी जनवरी में फ़िलाडेल्फ़िया में एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट प्लेन क्रैश हो गया था, जिसमें 8 लोगों की जान गई थी। प्लेन का वॉइस रिकॉर्डर काम नहीं कर रहा था, जिसके कारण इस हादसे की वजह भी पता नहीं चल सकी। इसकी जांच भी जारी है।अमेरिका के उत्तरी एरिजोना में नवाजो नेशन में एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उड़ान भरते ही विमान में आग लग गई जिससे विमान एक जलते हुए गोले में बदल गया। इस दुखद घटना में 2 पायलटों और 2 स्वास्थ्यकर्मियों समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। विमान दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।फे डरे ल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, बीचक्राफ्ट किंग एअर 300 विमान ने मंगलवार को न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क से उड़ान भरी थी। फिनिक्स से लगभग 300 मील दूर चिनले एअरपोर्ट के पास विमान अचानक से क्रैश हो गया।लैंडिंग से पहले हुआ क्रैशपुलिस कमांडर एम्मेट याजी नके अनुसार, विमान लैंड करने की कोशिश कर रहा था, तभी कुछ गड़बड़ हो गया और विमान हवा में ही क्रैश हो गया।

मुझे नहीं पता... जांच करूंगा, रूसी आयात पर भारत ने अमेरिका को दिखाया आईना, ट्रंप का गोलमोल जवाब

नई दिल्ली,08 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्हें रूस से रासायनिक पदार्थों और उर्वरकों के आयात की कोई जानकारी नहीं है। यह बयान तब आया जब भारत ने दावा किया कि अमेरिका अपनी परमाणु और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगों के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है।

ट्रंप का यह जवाब उस वक्त आया जब व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान न्यूज एजेंसी एएनआई ने उनसे इस बारे में सवाल किया।ट्रंप ने कहा, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। हमें इसे जांचना होगा। समाचार एजेंसी एएनआई ने राष्ट्रपति ट्रंप की प्रेस टीम से संपर्क किया है और जवाब का इंतजार है।भारत पर टैरिफ की धमकी और जवाबी हमलायह बयान उस वक्त सामने आया जब एक दिन पहले ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर तीखा हमला बोला था।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें रूस से रासायनिक पदार्थों और उर्वरकों के आयात की कोई जानकारी नहीं है जबकि भारत ने दावा किया कि अमेरिका रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड पैलेडियम उर्वरक और रसायन आयात करता है। ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी जिसे भारत ने अनुचित बताया।

गाजा पट्टी में भूखमरी, इजरायल ने गाजा पर पूर्ण कब्जे को दी मंजूरी, सीजफायर वार्ता अधर में

गाजा ,08 अगस्त (एजेंसी)। गाजा पट्टी एक ओर जहां भुखमरी और मानवीय संकट से जूझ रही है, वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पर पूर्ण कब्जे की योजना को कैबिनेट से मंजूरी दिला दी है। इस फैसले के बाद हमास के साथ सीजफायर को लेकर चल रही वार्ताएं अब अधर में नजर आ रही हैं।

इजरायली मीडिया के अनुसार, नेतन्याहू ने गाजा को लेकर अपनी कैबिनेट के साथ हुई निजी बातचीत में पूर्ण कब्जे जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है, जिससे संकेत मिलता है कि वह किसी भी समझौते के मूड में नहीं हैं। नेतन्याहू ने गाजा में हमास के सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के भी आदेश दिए हैं।

अप्रैल 2025 में उन्होंने गोलानी ब्रिगेड को राफाह, बेत हनून और बेत लाहिया जैसे क्षेत्रों में हमास के शेष ठिकानों को खत्म करने का निर्देश दिया था। इजरायली सेना का दावा है कि वह अब तक गाजा के लगभग 70 फीसदी हिस्से पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है। विशेष बलों को सुरंगों और हथियार भंडारण स्थलों को नष्ट करने का जिम्मा सौंपा गया है। नेतन्याहू का लक्ष्य हमास को न केवल सैन्य रूप से, बल्कि प्रशासनिक रूप से भी समाप्त करना है। उन्होंने गाजा के विसैन्यीकरण और हमास के पूर्ण खात्मे को अपनी शीर्ष प्राथमिकता बताया है। वहीं, मई 2025 में हमास ने अमेरिकी मध्यस्थ स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए 10 बंधकों की रिहाई के बदले 70 दिनों के युद्धविराम की बात मानी थी। लेकिन नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि युद्धविराम तभी संभव है जब हमास हथियार डाल दे और गाजा का नियंत्रण छोड़ दे। जुलाई 2025 में नेतन्याहू ने दोहराया कि युद्धविराम के लिए हमास को अपनी सैन्य क्षमताएं समाप्त करनी होंगी, जिसे हमास ने सिरे से खारिज कर दिया। इस असहमति के चलते मार्च 2025 के बाद से कोई ठोस सीजफायर समझौता नहीं हो पाया है।अमेरिका, मिस्र और कतर जैसे मध्यस्थ लगातार दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बात हर बार हथियारों और शर्तों पर अटक जाती है। इजरायल का आरोप है कि हमास ने गाजा की सुरंगों में ईरान से मिले हथियार और क्रूड रॉकेट तकनीक का बड़ा जखीरा जमा कर रखा है, जिनका इस्तेमाल वह नागरिकों को ढाल बनाकर करता है। इससे संघर्ष और अधिक जटिल हो गया है।

एक देश का दबदबा नहीं चलेगा ट्रम्प की टैरिफ बढ़ाने की धमकी पर भारत ने दी सफाई, खोला अमेरिका का बही खाता

न्यूयॉर्क ,08 अगस्त (एजेंसी) । भारत ने अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा रूस से तेल आयात को लेकर की जा रही आलोचना का कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल नेएक बयान में कहा कि भारत ने यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात शुरू किया, क्योंकि उस समय पारंपरिक तेल आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी।जायसवाल ने बताया कि यह फैसला वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थितियों के कारण लिया गया ताकि भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ती और स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्तियां यूरोप की ओर मोड़ दी गईं, जिससे भारत को रूस से आयात बढ़ाना पड़ा। यही नहीं, उस समय अमेरिका ने खुद भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनी रहे। बयान में कहा गया कि भारत के लिए यह कदम राष्ट्रीय जरूरत था, लेकिन जो देश आज भारत की आलोचना कर रहे हैं, वे स्वयं रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं और वह भी बिना किसी मजबूरी के।विदेश मंत्रालय ने आंकड़े देते हुए बताया कि 2024 में यूरोपीय संघ और रूस के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 67.5 अरब यूरो था। इसके अलावा, 2023 में सेवाओं में भी दोनों के बीच 17.2 अरब यूरो का व्यापार हुआ। यह व्यापार भारत-रूस व्यापार से कहीं अधिक है। 2024 में यूरोप ने रूस से रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन एलएनजी (एलएनजी) का आयात किया, जो 2022 के पिछले रिकॉर्ड 15.21 मिलियन टन से भी ज्यादा है। रूस और यूरोप के बीच केवल ऊर्जा ही नहीं, बल्कि उर्वरक, खनिज, रसायन, लोहे और इस्पात, मशीनरी और ट्रांसपोर्ट उपकरणों का भी बड़ा व्यापार होता है।

जहां तक अमेरिका की बात है, वह रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड (न्यूक्लियर इंडस्ट्री के लिए), पैलेडियम (ईवी उद्योग के लिए), उर्वरक और रसायन का आयात आज भी कर रहा है। इन तथ्यों के आधार पर भारत ने कहा कि भारत को निशाना बनाना बिल्कुल अनुचित और दोहरे मापदंड का उदाहरण है। भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है और अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा। वहीं विदेश मंत्रालय के बयान के बाद कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हमें अपने राष्ट्रीय हित में कार्य करना चाहिए, न कि आवेगशील राष्ट्राध्यक्षों के चिड़चिड़ाहट भरे आग्रहों से प्रभावित होना चाहिए।

भारत की राह पर पाक : अगले साल अपने पहले अंतरिक्ष यात्री को भेजेगा स्पेस, पड़ोसी देश की लेगा मदद

इस्लामाबाद ,08 अगस्त (एजेंसी)।पाकिस्तान अगले वर्ष 2026 में अपना पहला अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। यह मिशन चीन के सहयोग से किया जाएगा और अंतरिक्ष यात्री को चीन के अंतरिक्ष स्टे शन पर भे जा जाएगा। पाकिस्तान के लिए यह कदम ऐतिहासिक माना जा रहा है, लेकिन इसके पीछे देश की अंतरिक्ष अनुसंधान संस्था सुपारको की दशकों पुरानी कहानी भी है, जो अब तक अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाई है।पाकिस्तान ने 1961 में सुपारको की स्थापना की थी, जो उस समय भारत और चीन से पहले की बात है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता अब्दुस सलाम के सहयोग से इसे वैज्ञानिक दृष्टि से मजबूत करने की कोशिश हुई थी। 1962 में रहबर-1 नामक पहला रॉकेट लॉन्च किया गया, जिसे उस समय एक बड़ी उपलब्धि माना गया। इसके बाद 1990 में चीन की मदद से पहला उपग्रह 'बदर-1' लॉन्च हुआ। लेकिन इस शुरुआती प्रगति के बाद पाकिस्तान का अंतरिक्ष कार्यक्रम धीरे-धीरे ठहराव की स्थिति में आ गया।स्पेस कार्यक्रम को सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहयोग नहीं मिला। वर्तमान में सुपारको का वार्षिक बजट केवल 36 मिलियन डॉलर है, जो वैश्विक मानकों की तुलना में बहुत कम है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से इस संस्था का नेतृत्व सेना के रिटायर्ड अधिकारियों के हाथ में है, जिससे वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रभावित हुआ है। देश में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण की सुविधाएं भी सीमित हैं, जिसके कारण योग्य वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की कमी बनी हुई है।

इसके साथ ही पाकिस्तान का ध्यान परमाणु कार्यक्रम पर केंद्रित रहा, जिससे अंतरिक्ष अनुसंधान पीछे छूट गया।इन कारणों से पाकिस्तान आज अंतरिक्ष क्षेत्र में लगभग पूरी तरह चीन पर निर्भर हो गया है। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने जिन उपग्रहों को लॉन्च किया है, वे सभी चीन की तकनीकी सहायता से ही संभव हुए हैं। अब 2026 में प्रस्तावित अंतरिक्ष यात्री मिशन भी पूरी तरह चीन की तकनीक और प्रशिक्षण पर आधारित है। इसके लिए दो पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों को चीन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।हालांकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में देश में अंतरिक्ष विज्ञान को बढ़ावा देने की बात कही है और भविष्य में चांद पर मिशन भेजने की योजना भी बनाई गई है, लेकिन मौजूदा हालात में पाकिस्तान के पास स्वतंत्र रूप से ऐसे मिशन को अंजाम देने की तकनीकी क्षमता नहीं है। 2035 तक चांद पर यान भेजने की योजना भी चीन की मदद से ही की गई है।र्तमान में सुपारको का वार्षिक बजट केवल 36 मिलियन डॉलर है, जो वैश्विक मानकों की तुलना में बहुत कम है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से इस संस्था का नेतृत्व सेना के रिटायर्ड अधिकारियों के हाथ में है, जिससे वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रभावित हुआ है। देश में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण की सुविधाएं भी सीमित हैं, जिसके कारण योग्य वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की कमी बनी हुई है।

इसके साथ ही पाकिस्तान का ध्यान परमाणु कार्यक्रम पर केंद्रित रहा, जिससे अंतरिक्ष अनुसंधान पीछे छूट गया।

एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे पर तंज, कुछ लोग कार्यकर्ताओं को नौकर समझते हैं

हिंगोली ,08 अगस्त (एजेंसी)। शिवसेना विधायक संतोष बांगर के नेतृत्व में मंगलवार को कलमनूरी से हिंगोली शहर तक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी हिस्सा लिया और इसके बाद कांवड़ सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। शिंदे ने हिंदुत्व और भगवा आतंकवाद के मुद्दे पर विपक्ष को आड़े हाथों लिया।एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग कार्यकर्ताओं को नौकर समझते हैं, जबकि शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे कार्यकर्ताओं को अपना सखा मानते थे। उन्होंने विधायक संतोष बांगर को अपना सहकारी बताते हुए कहा कि जो लोग कांवड़ यात्रा जैसे आयोजनों से मुंह मोड़ते हैं, वे ठंडी जगहों पर बैठकर सत्ता का सपना देखते हैं।शिंदे ने कहा, मैं मुख्यमंत्री रहते हुए भी कार्यकर्ता की तरह काम करता था और आज भी जनता की सेवा में लगा हूं। लोग मुझे सिर्फ मिनिस्टर कहते थे, लेकिन मैं कॉमन मैन हूं, जो आम लोगों के लिए समर्पित है।

उन्होंने अपनी सरकार के कामकाज का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने ढाई साल में मुख्यमंत्री सहायता कोष से जरूरतमंदों को 450 करोड़ रुपये दिए, जबकि पिछले मुख्यमंत्री ने इतने ही समय में केवल 3 करोड़ रुपये खर्च किए। उन्होंने लाडकी बहन योजना को जुमला कहने वालों को जवाब देते हुए कहा कि इस योजना के तहत महिलाओं के खातों में पैसे जमा किए गए। विपक्ष ने लोगों को भड़काया कि पैसे निकाल लें, वरना सरकार वापस लेगी। लेकिन, शिंदे ने समय से पहले दो महीने का भुगतान सुनिश्चित किया।

ट्रंप को फोन क्यों करूं, मैं तो पीएम मोदी से बात करूंगा..., टैरिफ वार के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति का बयान

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका और ब्राजील के बीच तनाव का तूफान उठ खड़ा हुआ है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस ऑफर को ठुकरा दिया, जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि लूला उनसे कभी भी टैरिफ के मसले पर बात कर सकते हैं। लूला ने साफ कहा कि वह ट्रम्प से बात नहीं करेंगे, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को फोन करेंगे। यह तनाव तब शुरू हुआ, जब अमेरिका ने ब्राजील पर 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया।लूला ने टैरिफ लागू होने वाले दिन को दोनों मुल्कों के इतिहास का सबसे दुखद दिन बताया था। उन्होंने ब्रासीलिया में एक इवेंट में कहा कि ब्राजील अब विश्व व्यापार संगठन समेत हर मुमकिन रास्ता अपनाएगा ताकि अपने हितों की हिफाजत कर सके।लूला ने यह भी कहा कि उनकी सरकार पहले ही विदेशी व्यापार को मजबूत करने और ब्रिक्स देशों के साथ नए मौके तलाशने में जुट गई है। पीएम मोदी को करूंगा फोन- लूला दा सिल्वालूला ने साफ किया कि वह ट्रम्प से बात

करने के मूड में नहीं हैं, क्योंकि ट्रम्प बातचीत के लिए तैयार नहीं। उन्होंने कहा, मैं शी चिनफिंग को फोन करूंगा, मैं पीएम मोदी को फोन करूंगा। मैं पुतिन को नहीं बुलाऊंगा, क्योंकि वह अभी सफर नहीं कर सकते। लेकिन मैं कई और राष्ट्रपतियों से बात करूंगा।ब्रिक्स में भारत, रूस और चीन जैसे मुल्क शामिल हैं। अमेरिका अक्सर इन देशों पर डॉलर के एकाधिकार को कमजोर करने का आरोप लगाता रहता है। ट्रम्प ने धमकी दी है कि ब्रिक्स की नीतियों का समर्थन करने वाले देशों पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसके बावजूद, लूला ने नरम रुख दिखाते हुए कहा कि वह ट्रम्प को नवंबर में ब्राजील के बेलेम, पारा में होने वाली जलवायु सम्मेलन के लिए न्योता देंगे। कहा, मैं ट्रम्प को के लिए बुलाऊंगा और जलवायु मसले पर उनकी राय जानूंगा। अगर वह नहीं आए, तो यह उनकी मर्जी, लेकिन मेरी तरफ से कोई कमी नहीं होगी।ब्राजील अमेरिका के टैरिफ पर बातचीत को तैयार लेकिन...लूला ने जोर देकर कहा कि ब्राजील अमेरिका के साथ टैरिफ पर बातचीत को तैयार है, लेकिन यह बराबरी और आपसी सम्मान के साथ होनी चाहिए। दूसरी तरफ, ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था, लूला मुझसे कभी भी बात कर सकते हैं। उन्होंने ब्राजील की जनता की तारीफ की, लेकिन वहां की सरकार पर गलत फैसले लेने का आरोप लगाया।ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर बातचीत के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे ट्रम्प से बात नहीं करेंगे बल्कि पीएम मोदी और शी चिनफिंग को फोन करेंगे। यह तनाव अमेरिका द्वारा ब्राजील पर 50 टैरिफ लगाने के बाद शुरू हुआ।

लूला ने कहा कि ब्राजील के माध्यम से अपने हितों की रक्षा करेगा।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO. 021-10/ PUBLICATION/ 3683 Korba West, dtd.06.08.2025
(e Bidding) TENDER NOTICE No.1365/2025.

Online tenders are invited from experienced & prospective firms for the following Work/Supply:

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100045462	Supply, Erection and Commissioning of 30 Mtr. High Mast Lighting system at 400 KV Switchyard or PH-II, HTPS, KW.	590/-	14,095/-	27.08.2025
2.	Rfx No. 8100045468	Supply of different rating DC brake assembles for CHP: INT, 1x500 MW, HTPS, KW.	590/-	9,750/-	27.08.2025
3.	Rfx No. 8100045471	Supply of 400 KV Lightning Arrester at PH-II, HTPS, KW.	590/-	8,655/-	28.08.2025

NOTE: - 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website **www.cspc.co.in– e-Bidding**. 2. Quantity as per tender schedule.
SUPERINTENDING ENGINEER (P-I)
O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P)HTPS, CSPGCL, KORBA WEST
SAVE ELECTRICITY

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION COMPANY LIMITED
(A Chhattisgarh Government Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ACE (S&P) Dr. SPM TPS, KORBA (EAST), DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
PHONE NO. - (07759) 228501, TELEFAX -228501 Email: sepnw.dspmke@cspc.co.in
E-TENDER NOTICE NO.-3115/25
Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced Bidders for the Supply as mentioned below for DSPM TPS, CSPGCL, Korba (East): -

S. N.	Tender Specification No.	RFx No.(E-Tender No.)	Particulars	Qty	Last date & time of bid submission	E.M.D.	Tender Cost
1	16-06/ DSPM TPS/S&P/EMD/ W/ T-3196/25	8100045485	Work Contract for 'Installation, Erection and Commissioning of "10/5 Ton EOT Crane for new Motor maintenance shed at DSPMTPS, CSPGCL Korba East	As per tender schedule	02.09.2025 15:30 Hrs	Rs.14,235	Rs.590/- (Incl GST @18%)

For More detail, please visit our website at: **-https://www. cspc.co.in**. Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.
SUPRINTENDING ENGINEER (Contract)
DSPM TPS, CSPGCL, KORBA, EAST
SAVE ELECTRICITY

सम्पादकीय...

उत्तरकाशी में 'प्रलय'

'प्रलय' का नाम हमने सुना है। कभी कल्पना तक नहीं की। छायावाद के प्रणेता कवि जयशंकर प्रसाद का महाकाव्य 'कामायनी' जरूर पढ़ा है। उसमें प्रलय की विभीषिका के कई बिंब और एक अकेले मनुष्य का संघर्ष हमारे मानस पर अब भी अंकित है, लेकिन प्रलय के विनाश के मर्म तक हम पहुंच नहीं पाए। अलबत्ता एक कल्पना जरूर साकार होती गई। हमारे कालखंड में उत्तरकाशी के महाभूकंप और 2013 के केदारनाथ मंदिर क्षेत्र के प्रलय का साक्षी बनने का मौका जरूर मिला है और वह भी टीवी चैनलों के जरिए। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-प्रलय की आपदा आई है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भू-स्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'कुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानव-निर्मित' हैं। यह हमारा नहीं, मौसम और भूगर्भ वैज्ञानिकों का विश्लेषण है। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है। नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50,000 वर्ग हेक्टेयर में जंगलात थे, अब वहां पक्की इमारतें चिन दी गई हैं। मौजूदा उत्तरकाशी के प्रलय में धराली गांव ही बह कर मिट्टी-मलबा हो गया। राज्य के मुख्य सचिव आनंदवर्धन के मुताबिक, धराली गंगोत्री के रास्ते में मुख्य ठहराव स्थल है। आबादी मात्र 700 के करीब है। इनमें से 100 लोग लापता हैं। 150 घरों से ज्यादा वाले गांव में 50 से ज्यादा घर, 30 से ज्यादा होटल-रिजॉर्ट, करीब 25 होम स्टे तबाह हो चुके हैं। जो मंजर सामने आया है, वह प्रलय नहीं तो क्या है? 2013 का केदारनाथ मंदिर वाला प्रलय इतना विनाशकारी था कि 6000 से अधिक लोग मारे गए थे। अब प्रलय को इतना विध्वंसक नहीं माना जा रहा है, लेकिन मौत के अधिकृत आंकड़े अभी सामने आने हैं। गौरतलब यह भी है कि मौजूदा प्रलय से पहले भूस्खलन का औसत 250 था, जो 2023 तक 1600 से अधिक हो गया। इतना गुना भूस्खलन क्यों और कैसे बढ़े? पहाड़ इतनी मात्रा में क्यों टूटने लगे हैं? इस सवाल का जवाब न तो केंद्र और न ही राज्य सरकार ने दिया है। कुछ उच्चाधिकार प्राप्त समितियां जरूर बनाई जाती रही हैं, लेकिन वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के सुझावों को नकारती रही हैं। मसलन- वैज्ञानिकों के सवाल हैं कि पहाड़ों में 'फोरलेन सडक़' बनाना क्यों जरूरी है? दो लेन की सडक़ें पर्याप्त और सहज हैं। ऐसे निर्माण दिखावटी विकास तो हैं, लेकिन विनाश और मौत के अंधे कुएं भी तैयार कर रहे हैं। केदारनाथ प्रलय के बाद रडार लगाने की बात सामने आई थी, ताकि बादल फटने और जल-प्रलय के पूर्व संकेत मिल सकें। उनका क्या हुआ? उत्तरकाशी प्रलय के कुछ भी संकेत क्यों नहीं मिल सके। मात्र 34 सेकंड में बहुत कुछ मलबा हो गया। हिमालयी क्षेत्र के लिए 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'जलवायु परिवर्तन' भी खतरनाक स्थितियां हैं। उनसे एक अलग स्तर पर लडऩे की जरूरत है। आपदा के लिहाज से धराली 'टाइम बम' पर बैठा माना जाता रहा है, लेकिन इसे कहीं और शिफ्ट नहीं किया गया। वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती का कहना है कि धराली ट्रांस हिमालय (4000 मीटर से ऊपर) में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट है। यह एक दरार होती है, जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। यह भूकंप का अति संवेदनशील क्षेत्र भी है। इस खतरे को समझना होगा।

सरकार के कामकाज का मुख्य लाभार्थी सत्तारूढ़ दल

अजीत द्विवेदी

भारत में शासन की जो व्यवस्था अपनाई गई है कि उसमें सरकार और सत्तारूढ़ दल के बीच बहुत बारीक फर्क होता है और इस फर्क को निभाने की जिम्मेदारी सरकार के मुखिया और सत्तारूढ़ दल के प्रमुख दोनों की होती है। साथ ही तमाम संवैधानिक और वैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका और मीडिया की भी जिम्मेदारी होती है कि वे इस फर्क की याद दिलाते रहें। अफसोस की बात है कि आजादी के बाद से धीरे धीरे सरकार और सत्तारूढ़ दल का बारीक सा फर्क मिटता गया है और अब वह लगभग समाप्त हो गया है। अब चाहे केंद्र की बात करें या राज्यों की बात करें वहां सरकारें और सत्तारूढ़ दल एक हो गए हैं। उनमें कोई फर्क नहीं रह गया है। इसे एक से अधिक मिसालों के जरिए समझा जा सकता है।

आजादी के तुरंत बाद पता नहीं क्या होता था लेकिन आज प्रधानमंत्री किसी चुनावी सभा को संबोधित करते हैं तब भी किसी मीडिया में नहीं लिखा जाता है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया और पार्टी के लिए वोट मांगा। हर जगह यही लिखा और बोला जाता है कि प्रधानमंत्री ने भाजपा के लिए वोट मांगा और भाजपा उम्मीदवार को चुनाव जिताने की अपील की है। इसी तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगर जनसभा को संबोधित करते हैं तो यह नहीं लिखा या कहा जाएगा कि जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभा की और पार्टी उम्मीदवारों के लिए वोट मांगा, बल्कि यह कहा जाएगा कि मुख्यमंत्री ने जनता दल यू को वोट देने की अपील की। कभी किसी ने नहीं सोचा कि देश का प्रधानमंत्री किसी खास दल के लिए कैसे वोट मांग सकता है? और अगर वह किसी खास दल के लिए वोट मांगता है तो फिर यह क्यों कहा जाता है कि प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं होता है, बल्कि देश का होता है? ध्यान रहे टेलीविजन की बहसों में कई बार एंकर से लेकर चर्चा में बुलाए गए कथित विशेषज्ञ यह बात कहते हैं कि प्रधानमंत्री पूरे देश का होता है!

बहस के लिए यह कहा जा सकता है कि यह बोलने और लिखने की बात है कि प्रधानमंत्री ने या मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित किया। लेकिन यह ध्यान रखने की जरुरत है कि लिखने और बोलने से बहुत सी चीजों के अर्थ निर्धारित होते हैं। मिसाल के तौर पर कलेक्टर को जब से जिलाधीश या जिलाधिकारी लिखा जाने लगा तब से वह जिले का मालिक बन गया। अन्यथा अंग्रेजों के सिस्टम में उसका काम कर संग्रह का होता है। वह टैक्स कलेक्ट करता था इसलिए कलेक्टर कहलाता था। बहरहाल, दशकों से यही परंपरा चलती रही है कि चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भी प्रधानमंत्री को किसी पार्टी का नेता नहीं लिखा जाता है। प्रधानमंत्री भी चुनावी सभा में खुल कर बोलते हैं कि उन्होंने अमुक राज्य के लिए या अमुक समुदाय के लिए कितना बड़ा तोहफा दिया है या कितने पैसे आवंटित किए हैं। इससे मुकाबला बराबरी का नहीं रह जाता है। इससे लोकतंत्र में यह धारणा प्रभावित होती है कि सभी पार्टियों को समान अवसर मिलना चाहिए।

जैसा कि ऊपर लिखा गया है कि सरकार और सत्तारूढ़ दल का फर्क बहुक बारीक होता है, जिसके मिटने की शुरुआत आजादी के तुरंत बाद हो गई थी। लेकिन पिछले दो दशक में यह प्रक्रिया तेज हुई है और अब लगभग समाप्त हो गई है। इसे दो उदाहरणों से समझा जा सकता है। एक उदाहरण तो मुफ्त की सेवाओं और वस्तुओं की घोषणा का है। कोई भी सरकार, जो वित्तीय अनुशासन को समझती है और राजस्व की उपलब्धता के बारे में जानती है वह इस तरह के फैसले नहीं कर सकती है। लेकिन सत्तारूढ़ दल को चुनाव जीतने के लिए ऐसी योजनाओं की जरुरत होती है इसलिए सरकारें इसकी घोषणा करती हैं। कहने को ये सरकार की योजनाएं हैं लेकिन असल में ये योजनाएं सत्तारूढ़ दल की होती हैं। सत्तारूढ़ दल इनका प्रचार करते हैं और इनके आधार पर लोगों से वोट देने की अपील करते हैं। अगर ऐसा नहीं है तो क्या भी सरकार या अदालत इस पर रोक लगा सकती है कि सत्तारूढ़ दल को सरकार की योजनाओं का प्रचार नहीं करना होगा या उनके आधार पर वोट नहीं मांगना होगा?

दूसरा उदाहरण यह है कि विपक्षी पार्टियां जब भी किसी संस्था को निशाना बनाती हैं या सरकार को निशाना बनाती हैं तो उनका जवाब सत्तारूढ़ पार्टियों की ओर से दिया जाता है। हाल के दिनों में एक मिसाल इस बात को प्रमाणित करती हैं। गौरतलब है कि विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग पर लगातार हमले हो रहे हैं और आरोप लगाया जा रहा है कि वह मैच फिक्सिंग करके सत्तारूढ़ दल को जीत दिला रही है। इस बात का जवाब या तो चुनाव आयोग के सूत्र दे रहे हैं या भारतीय जनता पार्टी और उसकी सहयोगी पार्टियां दे रही हैं। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जिसे संविधान के मुताबिक पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से ट्रीट करना है। लेकिन चुनाव आयोग दोनों के साथ समान बरताव नहीं करता है। उसका रूझान सत्तारूढ़ दल की ओर होता है और सत्तारूढ़ दल की ओर से उसके हर काम का बचाव किया जाता है। अपवाद के लिए ही एकाध मिसाल होगी, जब सत्तारूढ़ दल को चुनाव आयोग से शिकायत रही होगी।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में पहले भी यही व्यवस्था चलती थी लेकिन पहले इस तरह से खुल कर सरकार का इस्तेमाल पार्टी के काम के लिए नहीं होता था। इस तरह से सरकार और पार्टी को एक नहीं कर दिया गया था। पार्टी का कामकाज अलग चलता था और सरकार अपना काम करती थी। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि सरकार का एकमात्र काम पार्टी को जीत दिलाने के लिए काम करना है। उसमें अगर देश का और आम लोगों का कुछ कल्याण हो जाता है तो अच्छी बात है। ऐसा लग रहा है कि सरकार के कामकाज का मुख्य लाभार्थी सत्तारूढ़ दल और उसके नेता हैं, जबकि जनता कोलेटरल बेनिफिशियरी है। आम जनता के पैसे से हजारों करोड़ रुपए विज्ञापनों पर खर्च होते हैं, जिनसे पार्टी और उसके नेता का चेहरा चमकाया जाता है। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों को पार्टी के लिए जनसभा करने जाना होता है तो उसे सरकारी कार्यक्रम बना दिया जाता है और समूचा आयोजन सरकार के पैसे से होता है। सत्तारूढ़ दल के नेता सरकार के विमान और हेलीकॉप्टर से पार्टी का प्रचार करने पहुंचते हैं। आजादी के बाद कई दशक तक कांग्रेस चुनाव नहीं हारी थी। लेकिन जब कांग्रेस के हारने का सिलसिला शुरू हुआ तो कई दशक तक राजनीतिक स्थिरता प्रभावित हुई।

(यह लेखक के अपने विचार है)

प्राकृतिक आपदाओं से जूझता हिमाचल

अनुज आचार्य

हिमाचल इस समय प्रकृति के विकराल प्रकोप से कराह रहा है। 20 जून 2025 से प्रदेश में जारी मूसलाधार बारिश ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है, बल्कि लोगों के जीवन, संपत्ति, संसाधनों और भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। 30 जून की रात मंडी जिले के सराज क्षेत्र की रोहांडी की पहाडियों पर बादल फटने की घटना के बाद भराड़, शरण, रुकचूई, प्याला, लंबाथाच, देजी और थुनाग जैसे गांवों में जो तबाही मची, उसने वहां के निवासियों की वर्षों की पूंजी और स्मृतियों को मिट्टी में मिला दिया। सडक़ों का टूटना, पुलों का बह जाना, वाहन दुर्घटनाएं, बिजली और जल योजनाओं का ध्वस्त हो जाना, यह सब मानो हिमाचल के विकास को एक झटके में दशकों पीछे ले गया। अभी यह आपदा पूरी तरह थमी भी नहीं थी कि 28 जुलाई को मंडी शहर के सैण मोहल्ले में आई बाढ़ ने चार लोगों की जान ले ली। लगभग 22 परिवारों को अपने घर छोडऩे पड़े, 50 मकान क्षतिग्रस्त हो गए और दो सौ से अधिक वाहन पानी में बह गए। उधर ऊना शहर में शनिवार 2 अगस्त को मूसलाधार बारिश ने 38 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया। छह घंटे में कुल 222.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे पहले वर्ष 1988 में 198 मिलीमीटर बारिश हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 20 जून से 31 जुलाई तक की अवधि में हुई घटनाओं पर यदि एक नजर डालें, तो 173 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई, जिनमें 95 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 78 सडक़ दुर्घटनाओं में हुईं। हिमाचल जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में निर्माण कार्यों को लेकर अब तक कोई समग्र, वैज्ञानिक और स्थानीय भूगोल के अनुकूल नीति नहीं बन सकी है। अतिक्रमण, अनियंत्रित शहरीकरण, अवैध निर्माण और प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नालों व नदियों पर अतिक्रमण हमारी त्रासदी को निमंत्रण देने वाली भूलें हैं। यह देखना बेहद पीड़ादायक है कि सडक़ किनारे, नदियों के तटों और नालों पर खुलेआम निर्माण हो रहे हैं और संबंधित विभाग आंखें मूंदे हुए हैं। उदाहरण के लिए कांगड़ा जिले में अवेरी से पालमपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दशकों पुराने प्राकृतिक नालों पर किए गए अतिक्रमण किसी से छिपे नहीं हैं। क्या इन निर्माणों को देखना और रोकना लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, एनएचएआई और पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी नहीं है? हमें यह स्वीकार करना होगा कि हिमाचल में आपदाएं अब केवल प्रकृति की नहीं, बल्कि हमारी नीतिगत विफलताओं की भी देन हैं। विकास की अंधी दौड़ में हमने प्रकृति की सीमाएं लांघ दी हैं। पहाड़ों की काटछांट, नदियों के किनारों का अतिक्रमण, जंगलों की बेरहम कटाई और पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन किए बिना निर्माण कार्यों ने इस भूगोल को अस्थिर बना दिया है। ऐसे में जब भी मौसम कुछ अधिक उग्र होता है, तबाही निश्चित हो जाती है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए बनाए गए नियमों को सख्ती से लागू करे। अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर जाकर कार्य करें। राहत और पुनर्वास की कार्यवाही पारदर्शी हो और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र मजबूत किया जाए। जनजागरूकता अभियान गांव-गांव तक पहुंचे और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण स्कूली शिक्षा से ही प्रारंभ किया जाए। राष्ट्रीय स्तर पर भी कुछ सकारात्मक प्रयास सामने आए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को देखते हुए एक बहुक्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 'सचेत' नामक मोबाइल ऐप शुरू किया गया है, जो आपदा से जुड़ी चेतावनियों और सूचनाओं का सटीक माध्यम बन सकता है। नागरिकों को राज्य और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइटों से भी निरंतर जानकारी लेनी चाहिए। हम स्कूली पाठ्यक्रमों में 'सतत पोषणीय विकास' की अवधारणा पढ़ाते हैं, जिसका सार यह है कि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के लिए संसाधनों का संरक्षण किया जाए। दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल में हो रहे अनियंत्रित विकास पर गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्व के लिए पर्यावरण की बलि नहीं दी जा सकती। नदी नालों के किनारों पर अतिक्रमण, जल विद्युत परियोजनाएं, चौड़ी सडक़ें, वनों की कटाई और बहुमंजिला इमारतें राज्य में आपदाओं के मुख्य कारण हैं। हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी में कोई भी निर्माण कार्य भूवैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों की राय के बिना नहीं होना चाहिए। अनियंत्रित पर्यटन ने भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। कोर्ट ने चेताया कि यदि हालात नहीं सुधरे, तो हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है और भगवान न करे ऐसा हो।

आज का हिमाचल एक बार फिर चौराहे पर खड़ा है, जहां एक ओर भौतिक विकास की चाह है और दूसरी ओर प्रकृति का स्पष्ट संदेश कि यदि अब भी नहीं चेते, तो वह बार-बार अपने रास्ते खुद बनाएगी और वह रास्ते विनाश की ओर ही जाएंगे। अत- यह स्पष्ट है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे कटाव, भूस्खलन और सडक़ों के धंसने जैसी आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि मानव की अविवेकपूर्ण योजनाएं, लालची विकास मॉडल और पर्यावरणीय उपेक्षा ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। जब तक विकास की दिशा में संतुलन और संवेदनशीलता नहीं लाई जाती, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

100 सीटों पर धांधली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि पिछले लोक सभा चुनाव में करीब 100 सीटों पर धांधली हुई और इनमें से 15 सीटों पर धांधली नहीं हुई होती तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते।

कांग्रेस पार्टी के विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विधिक सम्मेलन में राहुल गांधी ने दोहराया कि कर्नाटक में एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वे एटम बम की तरह हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में इस बात का सबूत दिया जाएगा कि कैसे लोक सभा चुनाव में धांधली हुई। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष पिछले कुछ दिनों से चुनाव में धांधली के दावे और आरोप लगा कर चुनाव आयोग पर हमलावर हैं।

उनका तो यहां तक कहना है कि वह तो 2014 से ही चुनाव प्रणाली को संदेह की नजर से देखते रहे हैं। उन्हें बारंबार लगा है कि प्रचंड जीत (भाजपा की) हासिल करने की क्षमता आश्चर्यजनक है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में जो हुआ, उसने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने के लिए उन्हें मजबूर कर दिया है।

तमाम आरोपों और संदेहों के बरक्स चुनाव आयोग ने ज्यादातर मौकों पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। राहुल गांधी के ताजा दावे पर भी चुनाव आयोग की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। चुनाव आयोग की चुप्पी के चलते अब विपक्ष यह बताने और साबित करने पर आमादा है कि चुनाव में धांधली को कैसे अंजाम दिया जाता है। बेशक, चुनाव आयोग के लिए प्राय: दुविधापूर्ण स्थिति दरपेश रहती है। पराजित पक्ष चुनावी धांधली का आरोप लगाने से नहीं चूकता।

ऐसे में चुनाव आयोग के लिए जरूरी हो जाता है कि तमाम संदेहों और आरोपों कर माकूल और संतोषजनक प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति को साफ करे। उसके कार्यकलाप में कहीं से भी हड़बड़ी नहीं दिखनी चाहिए। न ही यह लगना चाहिए कि वह किसी प्रकार का पक्षपात कर रहा है।

चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है, और उसके लिए बहुत जरूरी है कि सख्ती से अपनी छवि को बनाए रखे। तभी वह चुनाव की शुचिता की अनिवार्यता को बनाए रख सकता है। जरूरी है कि चुनावी राजनीति में शिरकत करने वाले तमाम पक्षों के साथ बैठक करके उनके संदेहों का निराकरण करे। संदेहों (खासकर बेवजह के) की तो कतई कोई गुंजाइश रहने ही न पाए।

पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवाा को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था।

बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप), 376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई।

1632 पाों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रानिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं।

हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने काड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका। बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया।

हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72त्न महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत

भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग।

एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के आँगन के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।

देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52त्न पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैंऔर 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं।

इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिज़ाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इम्फाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएँ चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुँच ने बुनाई को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है।

राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुँच का विस्तार किया है।

बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयाँ, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग-एंड-प्ले) कार्यशालाएँ, डिजिटल प्रयोगशालाएँ, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएँ शामिल होंगी।

साथ ही, निफ्ट, एनआईडी और अन्य डिज़ाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिज़ाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ डिज़ाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह-निर्माण, संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिज़ाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तकनीक को अपनाना ज़रूरी है, लेकिन हथकरघा की आत्मा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। अब एआई का उपयोग रुझानों की भविष्यवाणी और डिजिटल रंग चयन के लिए किया जा रहा है, जबकि ब्लॉकचेन उत्पाद का पता लगाना सुनिश्चित करता है और जालसाजी का मुकाबला करते हुए इस क्षेत्र को नए डिजिटल युग में ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ाता है।

विपणन और ई-कॉमर्स गेम-चेंजर के रूप में कार्य करेंगे। रणनीति सरल लेकिन क्रांतिकारी है: बिचौलियों को खत्म करना, प्रचार के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाना और बुनकरों को प्रारंभ से ही मंचों, प्रदर्शनियों और बाज़ारों से सीधे जोड़ना। इसी क्रम में, हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा जा रहा है और इंडियाहैंडमेड.कॉम एक पारदर्शी, शून्यकमीशन वाला मंच प्रदान कर रहा है, जो उचित पारिश्रमिक, वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की नि:शुल्क व्यवस्था, आसान वापसी और सुरक्षित भुगतान विकल्प सुनिश्चित करता है। इन प्रयासों के पूरक के रूप में, 106 हथकरघा उत्पादों को पहले ही भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किए जा चुके हैं, जो उनकी अनूठी क्षेत्रीय विरासत और शिल्प कौशल का सम्मान करते हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

हाई कोर्ट के जज को क्रिमिनल केस न देने और वरिष्ठ के साथ खंडपीठ में बैठाने के निर्देश

नईदिल्ली, 08 अगस्त [एजेंसी]। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश के बारे में अभूतपूर्व आदेश दिया है। कोर्ट ने दीवानी विवाद में आपराधिक कार्यवाही और समन को बरकरार रखने के हाई कोर्ट न्यायाधीश के आदेश को पूर्णत: गलत करार देते हुए रद करने के साथ ही गहरी नाराजगी भी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि हाई कोर्ट के उक्त न्यायाधीश से आपराधिक मामले वापस ले लिए जाएं और उनके सेवानिवृत्त होने तक उन्हें आपराधिक मामले न सौंपे जाएं।शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से ये भी कहा है कि उन न्यायाधीश को किसी वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ खंडपीठ में बैठाया जाए और यदि कभी उन्हें अकेले पीठ में भी बैठाया जाए तो भी आपराधिक मामले न सौंपे जाएं। न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मैसर्स शिखर केमिकल्स बनाम उत्तर प्रदेश व अन्य के मामले में दिया है। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने शिखर केमिकल्स के वाणिज्यिक विवाद में आपराधिक कार्यवाही को रद करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, यह आदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की पीठ ने पारित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी विवाद में आपराधिक कार्यवाही जारी रहने को सही ठहराने वाले हाई कोर्ट के आदेश पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा खराब और गलत आदेश उन्होंने अपने न्यायाधीश के करियर में नहीं देखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हाई कोर्ट के उस आदेश के पैराग्राफ 12 में दर्ज निष्कर्षों से

स्तब्ध है, जिसमें हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने यहां तक कहा है कि शिकायतकर्ता से दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना बहुत अनुचित होगा क्योंकि दीवानी मुकदमों में लंबा समय लगता है। इसलिए शिकायतकर्ता को वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट से अपेक्षा की जाती है कि उसे कानून की तय स्थित का ज्ञान होगा कि दीवानी मामलों में आपराधिक कार्यवाही की इजाजत नहीं दी जा सकती क्योंकि ऐसा करना प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। लेकिन हाई कोर्ट के आदेश से निष्कर्ष निकलता है कि दीवानी मामले में शिकायतकर्ता द्वारा आपराधिक कार्यवाही शुरू करना न्यायोचित है क्योंकि दीवानी सूट के जरिये बकाया धन की वसूली में काफी समय लग सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसी स्थिति में उसके पास उस आदेश को रद करने के सिवाय कोई विकल्प नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट का आदेश रद करते हुए मामला वापस नए सिरे से तय करने के लिए हाई कोर्ट को भेज दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया है कि वह इस मामले को अब किसी और न्यायाधीश को सुनवाई के लिए सौंपे।इस मामले में हाई कोर्ट ने मेसर्स शिखर केमिकल्स की वाणिज्यिक लेने-देन से उत्पन्न विवाद में आपराधिक कार्यवाही रद करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद शिखर केमिकल्स ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।इस मामले में याचिकाकर्ता फर्म को 5234385 रुपये मूल्य का धागा आपूर्ति किया गया था। जिसका कथित तौर पर 4775000 रुपये का भुगतान किया गया और बाकी का भुगतान नहीं हुआ। इसके बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष आपराधिक विश्वास भंग के लिए शिकायत दर्ज कराई गई। मजिस्ट्रेट ने कंपनी की प्रोपराइटर को आइपीसी की धारा 406 विश्वास भंग के तहत समन किया।

इसके बाद कंपनी ने वाणिज्यिक विवाद के मामले में आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की और केस रद करने की मांग की थी। जिसे हाई कोर्ट ने उक्त आदेश में खारिज कर दिया था।हाई कोर्ट ने कहा था कि शिकायतकर्ता को दीवानी मुकदमा चलाने के लिए बाध्य करना बहुत अनुचित होगा क्योंकि दीवानी मुकदमे को समाप्त होने में वर्षों लग जाते हैं।

संसद ने मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ाया राष्ट्रपति शासन, इंफाल में चलाए गए उग्रवाद विरोधी अभियान

नईदिल्ली, 08 अगस्त [एजेंसी]। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त के बाद छह महीने के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को संसद ने मंजूरी दे दी। पिछले सप्ताह लोकसभा द्वारा पारित प्रस्ताव को मंगलवार को राज्यसभा ने भी मंजूरी दे दी। बिहार की मतदाता सूची मुद्दे पर जब विपक्षी सांसदों ने विरोध जारी रखा, तो उपसभापति हरिवंश ने कहा, यह वैधानिक प्रस्ताव है। सांसदों के रूप में हम सभी को संवैधानिक प्रविधानों का पालन करना होगा। इनकी समयसीमा होती है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि आरक्षण पर विवाद से संबंधित अदालत के आदेश के कारण मणिपुर में दो समुदायों के बीच दरार पैदा हो गई है। जो लोग इसे धार्मिक हिंसा कहते हैं, वे गलत हैं। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू हुए आठ महीने हो गए हैं। हिंसा की केवल एक घटना सामने आई है। बाद में, राज्यसभा ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस वर्ष फरवरी में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के पद छोड़ने के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर 29 जुलाई से चार अगस्त के बीच उग्रवाद विरोधी कई अभियान चलाए। यह अभियान मणिपुर के बिष्णुपुर, चूड़चंदपुर, थौबल, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्वी जिलों में चलाया गया।रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन अभियानों में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के 15 कैडरों को गिरफ्तार किया गया। 69 हथियार, 16 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस, ग्रेनेड, गोला-बारूद, रेडियो सेट और अन्य सामान बरामद किया गया। इसमें लूटे गए हथियार, शामिल हैं। इनकी समयसीमा होती है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि आरक्षण पर विवाद से संबंधित अदालत के आदेश के कारण मणिपुर में दो समुदायों के बीच दरार पैदा हो गई है। जो लोग इसे धार्मिक हिंसा कहते हैं, वे गलत हैं। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू हुए आठ महीने हो गए हैं।

उत्तरकाशी के धराली गांव में बादल फटने से भयंकर तबाही

उत्तरकाशी,08 अगस्त (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ ने तबाही मचा दी। इस आपदा में अब तक 04लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है।जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि पानी और मलबे का सैलाब धराली बाजार में घुस गया, जिससे कई होटल और दुकानें पूरी तरह तबाह हो गईं। गांव में चीख-पुकार मच गई, और स्थानीय लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस आपदा पर गहरा दुख जताते हुए राहत और बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर चलाने के निर्देश दिए। इस भूस्खलन के बाद भारतीय सेना के जवान बचाव अभियान में लगे हुए हैं।

पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगा सकते हैं प्रदूषण बोर्ड इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला बरकरार रखा

नईदिल्ली, 08 अगस्त [एजेंसी]। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए क्षतिपूर्ति और प्रतिपूरक क्षतिपूर्ति लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारों को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा है कि जहां तक पर्यावरणीय व्यवस्था की बात है तो इसके केंद्र में दो अहम बातें रोकथाम और उपचार शामिल होनी चाहिए। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल एवं वायु अधिनियमों के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक दोनों रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए क्षतिपूर्ति लगाने के लिए सशक्त

हैं।जस्टिस नरसिम्हा ने फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमने माना है कि पर्यावरण नियामक - प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जल एवं वायु अधिनियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निश्चित धनराशि के रूप में प्रतिपूरक या क्षतिपूर्ति लागू कर सकते हैं या संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए पूर्व-उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करने की आवश्यकता लागू कर सकते हैं। फैसले में कहा गया कि ये शक्तियां जल एवं वायु अधिनियमों की धारा 33 ए और 31ए के तहत प्रदत्त शक्तियों के अतिरिक्त और सहायक हैं। साथ ही, हमने निर्देश दिया है कि इन शक्तियों का प्रयोग अधीनस्थ विधान द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाना चाहिए जिसमें प्राकृतिक न्याय और पारदर्शिता के आवश्यक सिद्धांतों को शामिल किया गया हो।हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि इस तरह के हर्जाने आपराधिक दंड से भिन्न होते हैं क्योंकि ये दीवानी प्रकृति के होते हैं और इनका उद्देश्य उल्लंघनकर्ताओं को दंडित करने के बजाय पर्यावरणीय क्षति को रोकना होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद कर दिया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की मांग करने की शक्तियों को सीमित कर दिया गया था। इस फैसले ने प्रदूषणकर्ता भुगतान करे और एहतियाती सिद्धांतों को पर्यावरण कानून के केंद्रीय सिद्धांतों के रूप में पुष्ट किया। कोर्ट ने कहा, पर्यावरण नियामकों का यह अनिवार्य कर्तव्य है कि वे वास्तविक पर्यावरणीय क्षति की परवाह किए बिना निवारक उपाय अपनाएं और उन्हें लागू करें। इन नियामकों द्वारा पूर्व-निर्धारित कार्रवाई की जानी चाहिए और इस उद्देश्य के लिए जल एवं वायु अधिनियम की धारा 33 ए और 31ए के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक निश्चित उपाय आवश्यक है।

राजस्थान में फिलीपींस की महिला से दुष्कर्म, इवेंट मैनेजर ने डिनर के बहाने होटल में बनाया शिकार

जयपुर,08 अगस्त (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर में एक विदेशी महिला के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता फिलीपींस की निवासी है। पीड़िता इन दिनों वर्किंग वीजा पर भारत आई हुई है।वह व्यापार मेलों सहित अन्य इवेंट का काम करती है। पिछले कुछ दिनों से अपने काम के सिलसिले में पीड़िता बीकानेर के एक अपार्टमेंट में किराए का फ्लैट लेकर रह रही है।आरोपित दीनदयाल गौड़ भी व्यापार मेलों एवं इवेंट मैनेजमेंट के काम से जुड़ा हुआ है।
इस कारण दोनों का परिचय हुआ।
दो अगस्त को देर शाम आरोपित ने पीड़िता से शहर के एक होटल में रात्रिभोज साथ करने का आग्रह किया। पीड़िता ने आरोपित का आग्रह स्वीकार कर लिया। होटल में आरोपित ने पीड़िता पर दबाव बनाकर जबरन दुष्कर्म किया। आरोपित के स्थानीय होने के कारण पीड़िता ने एक दिन किसी को इस बारे में नहीं बताया, लेकिन हिम्मत करके सोमवार शाम को वह बिछवाल पुलिस थाने पहुंची और दीनदयाल के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की मेडिकल जांच करवाई गई है। जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर ने कहा कि आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता के भी बयान लिए गए हैं।

खड़गे ने लगाया पुलिस और मिलिट्री बुलाकर हाउस चलाने का आरोप, नड्डा ने किया खारिज

नई दिल्ली ,08 अगस्त (एजेंसी)। राज्यसभा में मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व उपसभापति के बीच तीखी नोकझोंक दिखी। नेता प्रतिपक्ष ने उपसभापति से पूछा कि यह सदन आप चला रहे हैं या गृहमंत्री अमित शाह चला रहे हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि सदन के वेल में सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी से विपक्ष को कड़ी आपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों को संसद में जनहित के मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप सीआईएसएफ को अंदर लाते हैं। हमारे संसद के स्टाफ यहां सक्षम हैं, लेकिन आप पुलिस और मिलिट्री को लाकर यहां हाउस चलाना चाहते हैं।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन आरोपों का खंडन किया। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू कहा, नेता प्रतिपक्ष ने सदन में मिलिटरी व पुलिस की बात कही, लेकिन यह बात असत्य है। सदन में केवल मार्शल ही होते हैं और मार्शल ही सदन में आए थे। उन्होंने उप सभापति पूछा कि ऐसे झूठे तथ्यों को दिए जाने पर नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए?वहीं नेता सदन व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी विपक्ष के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सदन में केवल मार्शल होते हैं और यहां मार्शल ही हैं। नड्डा का कहना था कि विपक्ष में बैठे सांसदों को अपना विरोध जताना भी नहीं आता। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग इस तरह से किया जाना चाहिए जिससे कि किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो।दरअसल इस पूरे विषय पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपसभापति हरिवंश को एक पत्र लिखा था।

बांग्लादेश तिहरे हत्याकांड में सलाहकार की संलिप्तता उजागर, तीन लोगों की दिनदहाड़े कर दी गई थी हत्या

ढाका,08 अगस्त (एजेंसी)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार समर्थित हिंसा का एक और सुबूत सामने आया है। एक महिला ने दावा किया है कि हाल में हुई उसकी मां और भाई-बहन की हत्या में अंतरिम सरकार के स्थानीय सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुइयां के पिता का हाथ है। लेकिन, पुलिस की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि उनके परिवार और उनके कुछ पड़ोसियों के बीच एक इमारत के निर्माण को लेकर विवाद शुरू हुआ था। स्थानीय यूनियन परिषद के अध्यक्ष शिमुल बिल्लाह ने काम का ठेका मांगा था, लेकिन उनके परिवार ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। रूमा ने आरोप लगाया कि शिमुल ने जान से मारने की धमकी दी। उनके परिवार के सदस्यों की हत्या में शामिल शिमुल को बिलाल

हुसैन का समर्थन प्राप्त था, इसलिए उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।घटना तीन जुलाई की है। कुमिला जिले में हुई इस वारदात में रूमा अख्तर चाकू लगने से घायल हो गई थीं। वहीं, उनकी बहन तस्पिया जोनाकी, भाई मोहम्मद रसेल, और उनकी मां रुक्साना अख्तर रूबी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।सोमवार को ढाका में रूमा ने आसिफ महमूद के पिता बिलाल मास्टर की गिरफ्तारी की मांग उठाई और आरोप लगाया कि इस तिहरे हत्याकांड में वो शामिल थे। उन्होंने बंगरा बाजार पुलिस स्टेशन में 33 नामजद और 25 अज्ञात संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार के अनुसार, रूमा हत्या वाले दिन कई बार 999 डायल करके पुलिस से मदद मांगी। लेकिन, पुलिस की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि उनके परिवार और उनके कुछ पड़ोसियों के बीच एक इमारत के निर्माण को लेकर विवाद शुरू हुआ था।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में बादल फटने से आई बाढ़ में मकान और अन्य संरचनाएं बह गईं।

पंचायत सेवक सरकारी नौकरी से बर्खास्त... 20 करोड़ की बनाई संपत्ति, पत्नी और पिता के खाते में भेजा मनरेगा के लाखों रुपये

भागलपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। भागलपुर के जगदीशपुर प्रखंड के सैनो पंचायत में कार्यरत पंचायत रोजगार सेवक छद्दू दास को उपविकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह ने अनुबंध को तत्काल प्रभाव से रद करते हुए बर्खास्त कर दिया है। ईशाकचक के संतोष कुमार ने छद्दू दास पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने, मनरेगा योजना में अपने पिता कैलाश दास के नाम पर फर्जी वेंडर निशांत ट्रेडर्स बनाकर योजनाओं में अनियमितता बरतने और 20 करोड़ से अधिक की राशि अवैध तरीके से अर्जित करने का आरोप लगाया था। इस मामले को दैनिक जागरण ने 29 अप्रैल को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। उपविकास आयुक्त ने मामले की जांच डीआरडीए निदेशक और कार्यपालक अभियंता मनरेगा से कराई। साथ ही, कार्यक्रम पदाधिकारी जगदीशपुर के खिलाफ की गई शिकायत की जांच वरीय कोषागार पदाधिकारी और डीआरडीए निदेशक द्वारा की गई। दोनों जांच रिपोर्ट में पाया गया कि छद्दू दास ने 13 स्थानों पर जमीन खरीदने से संबंधित आरोपों की पुष्टि की गई।जांच में यह भी सामने आया कि कई डीड उनके माता-पिता और पत्नी के नाम पर हैं, जबकि कुछ डीड उनके नाबालिग बेटों के नाम पर हैं। कुल मिलाकर, इन संपत्तियों की कीमत 59,06,000 रुपये है। निशांत ट्रेडर्स से प्राप्त राशि छद्दू दास और उनकी पत्नी सुनीता देवी के संयुक्त खाते में जमा की गई। छद्दू दास ने स्वीकार किया कि निशांत ट्रेडर्स के मालिक उनके पिता हैं। जांच के दौरान, दास और उनके परिवार द्वारा खरीदी गई जमीनों के आय के स्त्रोतों का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। नाबालिग बेटों के नाम पर खरीदी गई जमीनें भी जांच का विषय बनीं।इन तथ्यों के आधार पर, उपविकास आयुक्त ने छद्दू दास के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उनके द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण को अस्वीकृत किया गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि उन्होंने अपने पदीय दायित्वों का उल्लंघन किया है। इस कारण उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया गया है।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी को तगड़ा झटका, नौ सांसद अयोग्य घोषित

इस्लामाबाद, 08 अगस्त [एजेंसी]। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के नौ सांसदों को अयोग्य घोषित कर दिया, जिनमें संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता भी शामिल हैं। ये सांसद नौ मई 2023 के दंगा मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित किए गए हैं।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख इमरान खान के समर्थकों ने नौ मई, 2023 को इस्लामाबाद में उनकी गिरफ्तारी के बाद हिंसा का सहारा लिया और सैन्य प्रतिष्ठानों और राज्य के स्वामित्व वाली इमारतों में तोड़फोड़ की थी।घटना के बाद इमरान खान सहित पार्टी के कई

बड़े नेताओं और दर्जनों कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से एक मामले में पिछले हफ्ते फैसलाबाद की एक अदालत ने 100 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं को 10 साल तक की जेल की सजा सुनाई। जिन लोगों को दोषी ठहराया गया, उनमें नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान और सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज शामिल हैं। संसद सदस्य जरताज गुल, हामिद रजा, शेख राशिद शफीक, कंवल शौजाब, फराह आगा, राय हैदर खराल और मुहम्मद अहमद चट्ठा को भी दोषी पाया गया। सभी नौ सांसदों को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। रॉयटर के अनुसार, पाकिस्तान में पुलिस ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर रहे मुख्य विपक्षी दल के 240 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। प्रदर्शनकारी जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई की मांग कर रहे थे।पुलिस ने बताया कि मंगलवार तड़के छापेमारी के दौरान लगभग 120 गिरफ्तारियां हुईं, जबकि बाकी गिरफ्तारियां लाहौर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुईं।
लाहौर की एक अदालत के बाहर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के लगभग 200 समर्थकों ने इमरान खान को रिहा करो के नारे लगाए, जबकि छोटे समूहों ने पूरे शहर में विरोध प्रदर्शन किया।

हादसों को रोकने फोरलेन से 6 मवेशियों को पकड़ा

राजनांदगांवनगर ,08 अगस्त (एजेंसी)। निगम ने शहर में मवेशी धरपकड़ अभियान तेज कर दिया है। निगम की टीम ने सर्किट हाउस रोड, अंबेडकर चौक और हाईवे रोड से 6 घुमंतू मवेशियों को पकड़ा। सभी मवेशियों को रेवाडीह कांजी हाउस में रखा गया है। वहां उन्हें बसंतपुर गंज मंडी से लाए गए बचे फल-सब्जी और पैरा कुट्टी का पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने मवेशी पकड़ने के लिए विशेष टीम बनाई है। यह टीम रोजाना शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर निरीक्षण कर मवेशियों को पकड़ रही है।बीमार मवेशियों को गौशाला पिंजरापोल ले जाकर इलाज भी कराया जा रहा है। नगर निगम ने साफ किया है कि खुले में घूमते मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में बंद किया जाएगा। पशुपालकों को मवेशी छुड़ाने के लिए 570 रुपये अर्थदंड देना होगा। शुल्क और जुर्माना चुकाने के बाद ही मवेशी सौंपे जाएंगे। आयुक्त ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को बांधकर रखें। खुले मवेशी सड़कों पर बैठते हैं। इससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यह आम लोगों और मवेशियों दोनों के लिए खतरनाक है। सजगता से ही हादसों से बचा जा सकता है।

खपरी दरबार में शराबबंदी लागू, बेचने पर 20 हजार जुर्माना

उदयपुर,08 अगस्त (एजेंसी)। उदयपुरग्राम खपरी दरबार में बढ़ते अवैध शराब कारोबार और पुलिस संरक्षण की आशंका के बीच ग्रामीणों ने दो दिनों की तीन बैठकों के बाद सर्वसम्मति से पूर्ण शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया है। गांव में अब कच्ची महुआ शराब का निर्माण, विक्रय और सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ग्रामीणों ने इस फैसले को सख्ती से लागू करने के लिए एक 14 सदस्यीय निगरानी समिति का गठन किया है।

समिति को शराबबंदी पर निगरानी रखने, नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाने, सूचना देने वालों को इनाम देने और बार-बार चेतावनी के बावजूद नियम तोड़ने वालों का सामाजिक बहिष्कार करने का अधिकार सौंपा गया है। समिति के सदस्य राजेश निषाद, लक्की नेताम, पन्नू यादव व दीनदयाल जंघेल ने बताया कि ग्राम में पूर्ण

शराबबंदी का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सख्त नियम बनाए गए हैं। समिति पूरी प्रतिबद्धता के साथ ग्राम एवं प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करेगी।समिति में ये होंगे सदस्य-ग्रामीणों की बैठक में शराब बंद के लिए गांव में निगरानी समिति का गठन किया गया है। जिसमें लक्ष्मण निषाद, दीनदयाल जंघेल, पन्नालाल साहू, नेहरू साहू, कामता बघेल, लक्की नेताम, सरपंच तोरण साहू, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि वीरेंद्र साहू, राजेश निषाद, राहुल साहू, पन्नू यादव, ध्रुव जंघेल, यादव राम जंघेल, अमीर जंघेल शामिल हैं। सूचना देने वालों को 5 हजार रुपए का इनाम अवैध शराब बेचने पर 20 हजार रुपए जुर्माना, शराब बेचने वालों की सूचना देने पर 5 हजार रुपए तक इनाम दिया जाएगा। इसके साथ ही चेतावनी के बावजूद शराब बेचने वालों का सामाजिक बहिष्कार, शराब बनाने, बेचने वालों को ग्रामीण खुद पकड़कर थाना पहुंचाएंगे। बैठक में ग्रामीणों ने थाना प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि कई शराब कारोबारी पुलिस से सेटिंग कर लेते हैं। अब ग्रामीण प्रशासन की मदद के बिना स्वयं संगठित होकर शराब के खिलाफ मोर्चा संभालेंगे।

शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट: रायगढ़ में 3 लोगों ने नाबालिग को पीटा, चूड़ा से सिर फोड़ा, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ,08 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शराब पीने के लिए रुपए नहीं देने पर 3 लोगों ने मिलकर एक नाबालिग की जमकर पिटाई कर दी। हाथ-मुक्के और कड़े से मारकर उसका सिर फोड़ दिया। वहीं मारपीट में आंख-हाथ में भी गंभीर चोट पहुंचा है।मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है, नाबालिग टायर दुकान में काम करता है। बदमाश पिछले 1 साल से ऐसा करते आ रहे है। नाबालिग से पैसे मांगकर उसे परेशान करते। नहीं देने पर मारपीट कर देते थे। फिलहाल तीनों आरोपी पुलिस हिरासत में है। वहीं, घायल का इलाज

जारी है।जानकारी के मुताबिक, किरोड़ीमल नगर इंदिरा निवास का रहने वाला रिशु गुप्ता (17 साल) अपने पिता के साथ ट्रांसपोर्ट नगर में टायर दुकान में काम करता है। ऐसे में जब भी वह अकेला होता तो किरोड़ीमल नगर में रहने वाले कृष्णा यादव, प्रेम यादव और पवन पासवान उसके पास आकर शराब पीने के लिए रुपए मांगते थे। पिछले करीब 1 साल से ऐसा करते आ रहे थे।रुपए नहीं देने पर गाली-गलौज भी करते थे। जहां सोमवार (4 अगस्त) की शाम को जब वह अपने घर के आगे पुल के आगे बैठा था। तभी तीनों उसके पास पहुंचे और फिर से शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगे।जब उसने मना किया, तो गाली-गलौज करते हुए रिशु के साथ मारपीट शुरू कर दिया और हाथ-मुक्का से मारते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इसके बाद कृष्णा यादव ने अपने हाथ में पहने चुड़ा से सिर पर मार दिया।

घटना के बाद घायल कोतरा रोड थाना पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराया। जहां पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और आरोपियों की पतासाजी में जूट गई।तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कियापुलिस किरोड़ीमल नगर पहुंचकर तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाना लायी। जहां पूछताछ करने पर आरोपियों ने मारपीट करना स्वीकार किया। जिसके बाद पुलिस मामले में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

उमस भरी गर्मी से राजधानीवासी परेशान

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। मानसून का पूर्वी छोर अरूणाचल प्रदेश की ओर चला गया है। इसके कारण आज राजधानी के कुछ स्थानों पर हल्की सी मध्यम वर्षा हुई है। राजधानी में पिछले दो दिनों से गर्मी के कारण उमस भरा माहौल है इसके कारण लोग परेशान हो गये है और दोपहर 12 बजे अचानक हुई हल्की एवं मध्यम वर्षा के कारण उमस और बढ़ गई। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा के अनुसार मानसून द्रोणिका का पूर्वी छोर अरूणाचल प्रदेश की ओर चला गया है। जिसके कारण कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। यहां पर गरज चमक के साथ छीटे पड़ने का पूर्वानुमान है।

रायपुर पुलिस ने महाराष्ट्र के दो अंतरराज्यीय चोरों को किया गिरफ्तार

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। रायपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए महाराष्ट्र के दो अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो शहर के विभिन्न फ्लैटों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी अम्बिकापुर से की गई है। इन आरोपियों ने रायपुर के आमानाका, कबीर नगर, और न्यू राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्रों में स्थित आधा दर्जन फ्लैटों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। इन आरोपियों ने सोने और चांदी के जेवरात, मोबाइल फोन और घड़ियों समेत अन्य कीमती सामान चुराए। ने आरोपियों से 36 ग्राम सोने के जेवरात, 843 ग्राम चांदी के जेवरात, 9 घड़ियां, एक आईफोन और 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जप्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 6.20 लाख रुपये बताई जा रही है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इन आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनोद सन्नी गौर (22) और रेयान उर्फअमन फैय्याज शेख (20) के रूप में की गई है, जो मूल रूप से महाराष्ट्र के निवासी हैं। ये दोनों आरोपी फ्लैटों को अपना निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफचोरी की विभिन्न अन्य शिकायतों की भी जांच शुरू कर दी है, और इनके खिलाफअतिरिक्त प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इन घटनाओं का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने घटनास्थलों का निरीक्षण किया और वहां से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपियों तक पहुंचने में सफलता पाई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के तहत एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और स्थानीय पुलिस ने मिलकर इस मामले में त्वरित कार्रवाई की।

बिजली बिल का झटका, कांग्रेस करेगी आंदोलन

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस बिजली दर में झटका देने के विरोध में राज्यस्तरीय धरना प्रदर्शन करेगी। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि इसके लिए शीघ्र ही एक उचित रणनीति बनाई जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि राज्य में बिजली कंपनी ने 400 यूनिट तक 50 फीसदी बिल में छूट का दायरा घटाया है जिसको लेकर आम उपभोक्ताओं में रोष है। उन्होंने कहा कि यह लाभ अब सिर्फ 100 यूनिट वालों को मिलेगा। बैच ने बताया कि ऊर्जा विभाग में 50 फीसदी बिजली बिल छूट योजना में संशोधन किया है। ऊर्जा विभाग का दावा है कि इस संशोधन आदेश से 45 परिवार को लाभ मिलेगा।

तहसीलदारों की हड़ताल से बढ़ने लगी फाइलों का अंबार

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। प्रदेश में तहसीलदारों की हड़ताल की वजह से फाइलों का अंबार लग रहा है। राज्य की सभी तहसीलों में लंबित प्रकरणों की संख्या बढ़ने लगी है। तहसीलों और सभी राजस्व न्यायालयों को मिलाकर 20 हजार से अधिक फाइलें पेंडिंग हो गई हैं। इन पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा है। इधर सभी जिलों में चालू शैक्षणिक सत्र के चलते छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने तहसीलों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लग रही है। राजस्व कोर्ट में फैसले भी अटके पड़े हैं। इसके बावजूद रजिस्ट्री पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है, लेकिन जमीन से जुड़े अन्य मामले ठंडे बस्ते में चले गए हैं।तहसीलदारों की हड़ताल से रोजमर्रा के सामान्य कामकाज भी नहीं हो पा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सभी जिलों में आय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए छात्रों के सबसे ज्यादा आवेदन लंबित पड़े हैं। कई मामलों में छात्रों को समय सीमा में जमा करना अनिवार्य है। लेकिन हड़ताल के चलते तहसीलदारों के दस्तखत नहीं हो पा रहे हैं। यही स्थिति मूल निवास प्रमाण पत्र के आवेदनों को लेकर है। स्कूली छात्रों को गुहार लगाते भटकना पड़ रहा है। नक्शा नकल से लेकर शोध क्षमता प्रमाण पत्र के कार्य भी अटक गए हैं। इनमें से ज्यादातर कार्य तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों की निगरानी, अनुमोदन और आदेश से ही संपादित होते हैं, इसी तरह धारा 115 के तहत त्रुटि सुधार जैसे कार्यों पर असर पड़ा है, इसके अलावा बैंकों की वसूली भी प्रभावित हुई है। फौती नामांतरण से लेकर सीमांकन और बंटवारा के प्रकरणों पर भी फैसला नहीं हो पा रहा है। सभी स्तरों के प्रकरणों को मिलाकर लंबित फाइलों की तादाद ही 20 हजार पार कर गई है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने दो युवकों को रौंदा

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। ग्राम सांकरा स्थित रोहित स्वीट्स के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दो युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में धरसींवा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार मृतक कमल कुमार नेताम 36 वर्ष लाटाबोड़ का रहने वाला था। मृतक पेशे से ट्रक ड्राइवर है। बताया जाता है कि ग्राम सांकरा स्थित रोहित स्वीट्स के पास कमल और परमानंद अपने पंचर ट्रक का टायर बदल रहे थे, तभी ट्रक क्रमांक सीजी 04 पीडब्ल्यू 1031 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दोनों को रौंद दिया। जिससे दोनों की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

तालाब के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। मच्छी तालाब गुढ़ियारी के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रवि कन्हार 29 वर्ष मुर्रा भट्टी गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीएन 4571 को मच्छी तालाब के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू लहराकर आतंक फैलाते चार गिरफ्तार

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)।राजधानी पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्र में चाकू लेकर आम लोगों को डराते धमकाते चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है।मिली जानकारी के अनुसार मोवा पुलिस ने दलदल सिवनी नाला के पास चाकू लहराते आरोपी अमन मिश्रा 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं पुरानी बस्ती पुलिस ने कुकरीपारा के पास चाकू लेकर आतंक फैलाते आरोपी अनिल महानंद 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह डीडीनगर पुलिस ने झंडा चौक के पास चाकू लहराते आरोपी मोहित यादव 21 वर्ष और चितेश साहू 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

शिक्षक दिवस पर शासन द्वारा शिक्षकों का किया जाएगा सम्मान

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। अगले माह 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की भी घोषणा की जाएगी। राज्य में राज्यस्तरीय पुरस्कार का वितरण राज्यपाल राजभवन में पांच सितंबर को करेंगे। शिक्षक दिवस पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। देश की राष्ट्रपति दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सैनिक शिक्षकों को पुरस्कार देगी। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में राष्ट्रीय शिक्षक के पुरस्कारों के लिए आवेदन मंगाए गए थे जो कि केंद्र में मानव संसाधन विभाग को भेज दिये गये हैं। इसके लिए निर्धारित मापदंड पूरा करनाहोता है। इस वर्ष किसे पुरस्कार मिलेगा इसका निर्धारण नहीं किया गया है। लेकिन बड़ी संख्या में आवेदन पत्र दिल्ली चले गये हैं। स्कूल शिक्षा संचालनालय से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में पिछले वर्ष 2025 के लिए पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई थी। अब 2026 के लिए पुरस्कारों की घोषणा शिक्षक दिवस के अवसर पर की जाएगी। शिक्षा संचालनालय के अनुसार इस वर्ष भी सभी जिलों से आवेदन पत्र मंगाए गये है। जिन जिन जिलों के शिक्षकों का चयन किया जाएगा उनकी घोषणा कर दी जाएगी। जिन शिक्षकों का चयन हुआ है उन्हें 50 हजार तथा श्रीफल एवं शॉल दिया जाएगा। राज्य के शिक्षामंत्री विष्णुदेव साय है इसलिए इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। पांच सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। राज्य के कई सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा।

अवैध निर्माण रोकने के संबंध में निगम कर रहा हाईकोर्ट आदेश की अवहेलना -नंदकिशोर अग्रवाल

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। शहर में स्वयं के मकान को दोमंजिला बनाने के उपक्रम में नगर निगम के नगर निवेश विभाग द्वारा अनुज्ञा पत्र जारी किया जाता है किंतु अनेक रहवासियों द्वारा निर्देशों की अवहेलना कर द्वितीय मंजिल निर्माण के दौरान अवैध रूप से निर्माण कर आदेश की उपेक्षा की जाती है इसी क्रम में अग्रवाल आशीष अग्रवाल निवासी गीतांजलि नगर मकान नंबर 5 एवं 7 सेक्टर एक ने प्रेसक्लब रायपुर में एवं विशाल द्वारा निगम के स्वीकृत नक्शे के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है।

राखी त्यौहार के पहले प्रत्येक स्वच्छता दीदी सफाई मित्र को 1000 मिला नगद राशि

सम्मान से प्रसन्न स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों ने नगर निगम महापौर, सभापति, आयुक्त को राखी के पूर्व सम्मान राशि मिलने पर दिया हार्दिक धन्यवाद

रायपुर, 08 अगस्त (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर शहर को देश में रैंकिंग में चौथा स्थान मिलने और रायपुर शहर के गार्बेज फ्री सिटी श्रेणी में छत्तीसगढ़ में पहला 7 स्टार शहर बनने पर आज नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 2 कार्यालय में जोन 2 के सभी 7 वार्डों में कार्यरत 300 सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों को नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभापति श्री सूर्यकांत राठौड, आयुक्त श्री विश्वदीप, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्षा श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, राजस्व विभाग अध्यक्ष श्री अवतार भारती बागल, वित्त विभाग अध्यक्ष श्री महेन्द्र खोडियार, पार्षद श्रीमती रामहिन कुर्रे, श्री खगपति सोनी, अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रीति सिंह, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ आर.के. डोंगरे कार्यपालन अभियंता श्री पी.डी. घृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री रवि लावनिया की उपस्थिति में प्रत्येक स्वच्छता दीदी और सफाई मित्र को 1000 रू. नगद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित करते हुए मंच पर उनका उत्साहवर्धन किया. नगद प्रोत्साहन राशि राखी के पूर्व मिलने पर स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने नगर निगम महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त श्री विश्वदीप को हार्दिक धन्यवाद दिया है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि स्वच्छता दीदियां व सफाई मित्र नगर निगम में सफलता की कुंजी है जिनसे नगर निगम को पूरे देश में स्वच्छता बेहत्तर होने के कारण सम्मानित किया गया। महापौर ने सखी के पूर्व आयोजन रखकर जोन 2 के सभी सफाई मित्रो एवं स्वच्छता दीदियों को 1000 1000 रू की नगद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित करने पर समापति श्री सूर्यकात राठौड सहित जोन 2 के वार्ड पार्षदो, जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों को सराहा।आयुक्त श्री विश्वदीप ने कहा कि स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों का सम्मान शहर का गौरव बढ़ाने में योगदान देने पर किया जाना अच्छा आयोजन है। इसके लिए उन्होने सभापति श्री सूर्यकांत राठौड एवं जोन 2 कमिश्नर डॉ. आर.के. डोंगरे सहित नगर निगम जोन 2 के अधिकारियों, कर्मचारियों की पूरी टीम को सराहा। सभापति श्री सूर्यकात राठौड ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राखी के पूर्व सभी स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों को रायपुर नगर निगम 1000-1000 रू नगद प्रोत्साहन राशि दे एवं सम्मानित करें इस हेतु उन्होने महापौर श्रीमती गीनल चौबे, आयुक्त श्री विश्वदीप के साथ मिलकर सतत प्रयास किया एवं इसमे आज नगर निगम जोन 2 में सम्मान करना वाकई प्रसन्नतादायक है।

सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ ने सभी स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों के शहर को स्वच्छ बनाने के कार्य में हर मौसम में दिये जाने वाले योगदान को सराहा। कार्यकम का सम्पूर्ण संचालन एवं आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री पी. डी. घृतलहरे ने किया।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

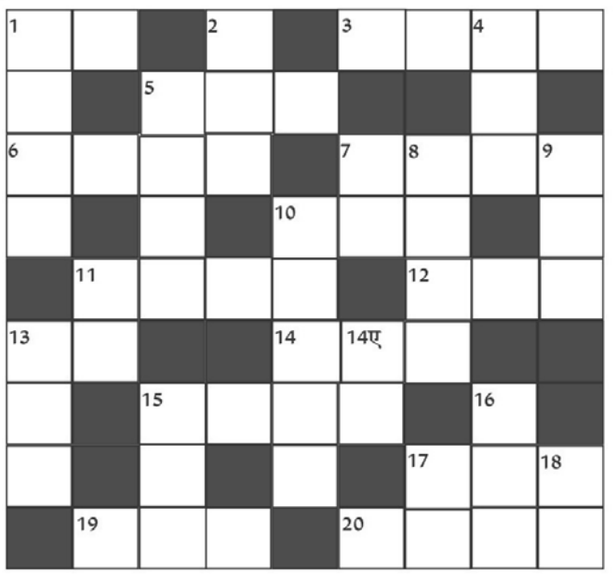

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

21वीं सदी में भारत की टॉप-5 विदेशी टेस्ट सीरीजपाकिस्तान में सहवाग का तिहरा शतक, ऑस्ट्रेलिया में पंत की फाइटिंग फिफ्टी; इंग्लैंड में चमके सिराज

इंग्लैंड (एजेंसी)। इंग्लैंड में टीम इंडिया ने 1-3 की हार को 2-2 के ड्रॉ में बदल दिया। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के सभी 5 मैच आखिरी दिन तक चले और इसमें कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। लॉर्ड्स टेस्ट में अपना विकेट नहीं बचा सके मोहम्मद सिराज ने ओवल टेस्ट में बॉलिंग से विकेट लेकर टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई। वहीं मैनचेस्टर में टीम ने हार की स्थिति को ड्रॉ में बदल दिया।दिसंबर 2003 में टीम इंडिया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (क्वन्झ) खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया गई। 1996 में शुरू हुई क्वन्झ में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया जाकर एक भी मैच नहीं जीत सकी थी। यहां तक कि टीम को ऑस्ट्रेलिया में आखिरी जीत भी 22 साल पहले फरवरी 1981 में मिली थी। तब भी सीरीज ड्रॉ ही रही थी।

युवा कप्तान सौरव गांगुली के सामने टीम को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जिताने की चुनौती थी। ब्रिस्बेन में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ रहा। गांगुली ने जरूर शतक लगाया, लेकिन टीम 16 ओवर में 199 रन का टारगेट हासिल नहीं कर सकी और मुकाबला ड्रॉ हुआ। सचिन तेंदुलकर इस मुकाबले में खाता भी नहीं खोल सके।

दूसरा टेस्ट एडिलेड में 3 दिन बाद ही शुरू हो गया। रिकी पोंटिंग की डबल सेंचुरी के दम पर टीम ने 556 रन बना दिए। भारत ने भी फाइट दिखाई, राहुल द्रविड़ ने डबल सेंचुरी और वीवीएस लक्ष्मण ने सेंचुरी लगाकर टीम को 523 तक पहुंचा दिया। 85 पर 4 विकेट गिरने के बाद दोनों ने 303 रन की साझेदारी की। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 196 रन ही बना सका, भारत को 233 का टारगेट मिला। अजीत अगरकर ने महज 41 रन देकर 6 विकेट लिए। द्रविड़ ने फिर 72 रन बनाए और नॉटआउट रहते हुए टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। हालांकि, सचिन फिर फ्लॉप रहे।

मेलबर्न के मैदान पर तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार वापसी की। पोंटिंग ने डबल सेंचुरी लगाई और टीम को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। वीरेंद्र सहवाग ने 195 रन जरूर बनाए, लेकिन सचिन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके, वहीं दूसरी में 44 रन बनाकर आउट हो गए। तीनों टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें कवर्स पोजिशन या कॉट बिहाइंड कराने की कोशिश की और सचिन हर बार इस जाल में फंस गए।

सिडनी में चौथा टेस्ट 2 जनवरी को शुरू हुआ। भारत ने पहले बैटिंग की, सहवाग ने फिफ्टी लगा दी, लेकिन 128 पर टीम के 2 विकेट गिर गए। पूरी सीरीज में फ्लॉप रहे सचिन ने इस इनिंग में ठान लिया कि ऑफ साइड की ओर कोई शॉट नहीं खेलूंगा। सचिन की यह स्ट्रैटजी काम आई और उन्होंने 241 रन की पारी खेल दी। यह उस समय उनका बेस्ट टेस्ट स्कोर था। भारत ने 705 रन पर पारी डिक्लेयर की।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए। भारत ने 211 रन पर दूसरी पारी डिक्लेयर की और ऑस्ट्रेलिया को 443 का टारगेट दे दिया। सचिन ने यहां भी फिफ्टी लगाई, वे दोनों पारियों

में नॉटआउट रहे। 10 विकेट लेने के लिए भारत के पास करीब 94 ओवर थे। टीम ने 47 ओवर में 3 विकेट गिरा भी दिए, लेकिन यहां कप्तान स्टीव वॉ अपने करियर के आखिरी मैच में टिक गए। उन्होंने 90 ओवर तक बैटिंग की, 80 रन बनाए और अपनी टीम को हारने से बचा लिया। उनके विकेट के बाद टीम ने आखिरी

4 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 22 साल बाद कोई टेस्ट जीता और पहली बार ऑस्ट्रेलिया में क्वन्झ नहीं गंवाई। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले अलग-अलग टीमों के खिलाफ लगातार 7 सीरीज जीती थीं। इतना ही नहीं, टीम इंडिया से ड्रॉ खेलने के बाद कंगारू टीम ने लगातार 6 सीरीज जीती भी। दुनिया की नंबर-1 टीम को उनके घर में जाकर चैलेंज करने का काम 21वीं सदी में भारत ने पहली बार ही किया।

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज ड्रॉ कराने के बाद टीम इंडिया की अगली सीरीज पाकिस्तान में हुई। यहां भारत को इतिहास में कभी एक भी टेस्ट जीत नसीब नहीं हुई थी। भारत ने मुकाबले ड्रॉ कराकर सीरीज जरूर ड्रॉ कराई थी, लेकिन टेस्ट जीतना नसीब नहीं हुआ। गांगुली चोट के कारण बाहर हो गए, उनकी जगह राहुल द्रविड़ को कप्तानी सौंपी गई।

मुल्तान में पहला टेस्ट 28 मार्च को शुरू हुआ। भारत ने पहले बैटिंग की और सचिन-सहवाग ने रिकॉर्ड 336 रन की पार्टनरशिप कर दी। यह उस समय तीसरे विकेट के लिए भारत से सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी। सहवाग ने 309 रन बना दिए, जो उस समय इंडियन प्लेयर का बेस्ट स्कोर था। उनके साथ सचिन ने भी शतक लगा दिया।

सहवाग के आउट होने के बाद सचिन दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे थे। दूसरे दिन के आखिरी सेशन का खेल चल रहा था, तेंदुलकर को 194 के स्कोर पर बताया गया कि टीम 5 ओवर और बैटिंग करेगी। उनके साथ युवराज सिंह फिफ्टी बना चुके थे। अगले ओवर में वे 59 रन पर आउट हो गए।

अगले बैटर पार्थिव पटेल पिच की ओर आ रहे थे, तभी कप्तान द्रविड़ ने पारी डिक्लेयर कर दी। सचिन को निराशा में 194 के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

भारत ने 675 रन पर पारी डिक्लेयर की और पाकिस्तान को 2 बार ऑलआउट कर दिया। टीम पारी और 52 रन से जीत गई और द्रविड़ की कप्तानी में भारत ने पाकिस्तान में पहली टेस्ट जीत का ऐतिहासिक कारनामा भी कर लिया।

इस पारी के बारे में सचिन ने अपनी आत्मकथा में लिखा, मुझे नहीं पता कि राहुल ने ऐसा क्यों किया, टेस्ट जीतने के लिए हमारे पास बहुत समय था, लेकिन डबल सेंचुरी का मौका बहुत कम ही मिलता है। डिक्लेरेशन के फैसले से मैं बहुत दुखी हुआ। हालांकि, बाद में मैंने द्रविड़ से बात की ओर सुलह कर ली, क्योंकि मैं इसे मन में दबा कर नहीं रखना चाहता था। हम आज भी बहुत अच्छे दोस्त हैं। हालांकि, इस घटना का सचिन पर बुरा असर पड़ा और वे सीरीज के बाकी 2 टेस्ट में 11 रन ही बना पाए।

सीरीज में पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने लाहौर में दूसरे टेस्ट के दौरान वापसी की और भारत को 9 विकेट से हरा दिया। युवराज ने सेंचुरी जरूर लगाई, लेकिन उमर गुल की गेंदबाजी ने पाकिस्तान को हावी कर दिया। होम टीम से इमरान फरहत और कप्तान इंजमाम उल हक ने सेंचुरी भी लगाई।तीसरा टेस्ट 13 अप्रैल से रावलपिंडी में खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान 224 रन ही बना सका। भारत से सहवाग खाता भी नहीं खोल सके, लेकिन नंबर-3 पर उतरे कप्तान द्रविड़ ने डबल सेंचुरी लगा दी। उनकी पारी के दम पर भारत ने 600 रन का स्कोर बनाया और पाकिस्तान को दूसरी पारी में 245 रन पर समेट दिया। भारत पारी और 131 रन से तीसरा टेस्ट जीत गया। इसी के साथ टीम ने पाकिस्तान में पहली बार टेस्ट मैच जीतने के साथ पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी कर लिया।

2020-21 की कई मायनों में भारत की मौजूदा टीम की मानसिकता दर्शाती है। इसी सीरीज ने टेस्ट में भारत की नई दिशा तय की। कोरोना वायरस महामारी की पहली लहर कुछ महीनों पहले ही खत्म हुई थी। नवंबर 2020 में टीम ऑस्ट्रेलिया गई। ऑस्ट्रेलिया में पिछली सीरीज जिता चुके कप्तान विराट कोहली पहले टेस्ट के बाद भारत लौटने वाले थे। वे पहली बार पिता बनने वाले थे।

इंग्लैंड में सीरीज बराबर करने के बाद टीम-इंडिया घर लौटी-वॉशिंगटन सुंदर इम्पैक्ट प्लेयर बने गंभीर बोले- बहुत खुश हूं

सोनीपत (एजेंसी)।भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर की, लेकिन जीत के बाद टीम इंडिया ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया। खिलाड़ियों ने सोमवार को मैच खत्म होने के बाद अपने परिवारों के साथ समय बिताया और मंगलवार सुबह अलग-अलग बैचों में भारत के लिए रवाना हो गए।मोहम्मद सिराज समेत कई खिलाड़ी मंगलवार को फ्लाइट से दुबई पहुंचे, जहां से वे अपने-अपने शहरों के लिए रवाना होंगे। कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड में कुछ दिनों के लिए रुक गए हैं।ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय मैनेजमेंट ने सीरीज का इम्पैक्ट

प्लेयर मेडल दिया। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, %मैं टीम परफॉरमेंस से बहुत खुश हूं।अर्शदीप और प्रसिद्ध परिवार के साथ घूमने निकलेमैच खत्म होने के करीब चार घंटे बाद अर्शदीप और प्रसिद्ध कृष्णा को लंदन की सड़कों पर अपने परिवारों के साथ घूमते हुए देखा गया। कुलदीप यादव, जिन्हें सीरीज में मौका नहीं मिला, पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला के साथ नजर आए। बुमराह को पहले ही आराम के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था।

ओवल टेस्ट जीत के बाद साई सुदर्शन, अर्शदीप सिंह और अंशुल कम्बोज लंदन के होटल में।ओवल टेस्ट जीत के बाद साई सुदर्शन, अर्शदीप सिंह और अंशुल कम्बोज लंदन के होटल में।कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआसूत्रों के अनुसार, कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआ।

सीरीज काफी लंबी और थकाऊ रही। खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ या अकेले समय बिता रहे थे।

हिसार की इंटरनेशनल रेसलर पूजा की आज सगाई : बिजनेसमैन से लेगी रिंग सेरेमनी, दंगल फिल्म ठुकराई, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट को हरा चुकीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हिसारजूडो से की शुरुआत बाद में कुश्ती में आईहिसार जिले के गांव बुडाना की रहने वाली पूजा शुरुआती दिनों में अपने पिता अजमेर ढांडा के साथ दौड़ने जाया करतीं थीं। वहीं से खेल को लेकर इनमें रुचि बढ़ती गई। आगे चलकर इन्होंने खेल को ही अपना करियर बनाया। पूजा ढांडा ने जूडो से अपने खेल जीवन की शुरुआत की। जूडो में पूजा ने नेशनल लेवल पर कई मेडल अपने नाम किए। साथ ही इंटरनेशनल लेवल पर भी 3 मेडल हासिल किए हैं। रेसलर कृपा ने जूडो छोड़ रेसलिंग करने के लिए कहा कि 2009 एशियन जूडो चैंपियनशिप के दौरान रेसलर कृपा शंकर बिश्नोई से पूजा की मुलाकात हुई। कृपा शंकर ने पूजा को जूडो के बजाय कुश्ती करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद 2010 यूथ ओलिंपिक गेम्स के 60 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए पूजा ने सिल्वर मेडल जीता।

पूजा ढांडा हिसार में खिलाड़ियों को रेसलिंग की ट्रेनिंग देती हैं। पूजा ढांडा हिसार में खिलाड़ियों को रेसलिंग की ट्रेनिंग देती हैं। ओलिंपिक मेडलिस्ट को दो बार हराया कि पूजा ने ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हेलन मारोलिस को 2 बार पटखनी दी थी। 2018 में

प्रो रेसलिंग लीग में पूजा ढांडा ने पंजाब रॉयल्स की ओर से खेलते हुए हेलन को 2 हफ्तों में दो बार मात दी। इसके बाद हेलन पूजा की फैन हो गई थीं। पूजा ने बताया कि हारने के बाद हेलन ने कहा था मैं तुम्हारी फैन बन गई हूं। यह सुनकर मैं आसमान में उड़ने लगी थी। मैंने हमेशा हेलन से प्रेरणा ली है और उनको दो बार हराना मतलब अपना सपना पूरा करना था।

दंगल फिल्म का ऑफर ठुकराया पूजा को आमिर खान की दंगल फिल्म में बबीता फोगाट का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन इंजरी के चलते मना करना पड़ा। पूजा ने बबीता को हराकर ही पहली नेशनल चैंपियनशिप जीती थी कॉमनवेल्थ में जीते 2 गोल्ड मेडल जीते पूजा ने 2013 और 2017 में साउथ अफ्रीका में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीते। 2014 एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मिला। 2016 में इंजरी के कारण रियो ओलिंपिक मिस किया। इंजरी को ठीक करने के लिए पसीना बहाना पड़ा। रिहैब के बाद भी पूजा ढांडा मैट पर जाकर वह सब करने के योग्य नहीं हुई थी, जिनके लिए उन्हें जाना जाता था।इंजरी के कारण सफर आसान नहीं रहा इसके बाद साल 2016 में ही दोबारा चोट को देखा गया और इलाज किया गया। सर्जरी के बाद पूजा ढांडा का सफर आसान नहीं रहा। 2017 वर्ल्ड चैंपियनशिप से वह बाहर हो गई थीं। इसके बाद 2017 में ही पूजा ने इंजरी को पीछे छोड़ और नेशनल चैंपियन बनीं। 2019 में भारत सरकार ने पूजा को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया।

व्यापार

मेडिकल का सपना अधूरा, ग्रेजुएशन से पहले 72 लाख रुपये की पैकेज वाली नौकरी, महज 20 साल की उम्र में कंपनी में बनाई अपनी अलग पहचान

नई दिल्ली,08 अगस्त (एजेंसी) कभी-कभी कुदरत ने हमारे लिए कुछ बेहतरीन सोचा होता है। हमने अपने लिए जो रास्ते तय किए होते हैं, उससे बेहतरीन व विश्वसनीय। एक ऐसा रास्ता जो हमारी सोच से परे और बिल्कुल सपनों जैसा होता है। एक ऐसी ही उदाहरण है कर्नाटक के यमरवल्ली गांव, कोरुर की रहने वाली रितुपर्णा केएस की।

जब वह मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने में असफल रही तो, वह नहीं जानती थी कि एक दिन वह दिग्गज कंपनी रोल्स रॉयस में कुछ बेहतरीन कर पाएंगी। रितुपर्णा की मेहनत और लगन ही थी कि उन्होंने बेहद ही कम उम्र में रोल्स रॉयस में 72 लाख रुपये पैकेज वाली नौकरी हासिल की। रितुपर्णा ब्रिटेन की प्रतिष्ठित कंपनी रोल्स रॉयस में सबसे कम उम्र वाली महिला भी बन गई हैं। रितुपर्णा की यह सफलता की कहानी बयां करती है कि अगर आपके हौसले बुलंद

और आपमें कुछ करने का जज्बा हो तब आप लीक से हटकर भी अपने सपनों की उड़ान भर सकते हैं।रितुपर्णा कर्नाटक के यमरवल्ली गांव, कोरुर की रहने वाली है। बचपन से ही वह पढ़ाई में अव्वल भी रही है। वह घर में अपने माता-पिता की सबसे बड़ी संतान हैं। रितुपर्णा बचपन से ही मेडिकल के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहती थी, लेकिन दुर्भाग्यवश वह मेडिकल में दाखिला नहीं ले सकी। लेकिन रितुपर्णा ने इससे हार नहीं मानी और सह्याद्री कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (स्थ्श्वरू) में रोबोटिक्स और ऑटोमेशन में दाखिला ले लिया। बस फिर क्या था, उनका यह निर्णय उनके जीवन का एक टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

ऑटोमेशन और मशीन डिजाइन के प्रति रुचि बढ़ी

रोबोटिक्स और ऑटोमेशन में दाखिला लेने के बाद रितुपर्णा की रुचि ऑटोमेशन और मशीन डिजाइनिंग में बढ़ी, जिसके बाद उन्होंने अपने एक मित्र के साथ मिलकर गोवा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हार्वेस्टिंग एंड स्टायर पर शोध प्रस्तुत किया। यहां उन्होंने सिंगापुर, जापान, चीन और रूस के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा की और स्वर्ण पदक अपने नाम हासिल कर लिया।

इंटर्नशिप ने बदली जिंदगी

रितुपर्णा अब अपने कॉलेज के तीसरे वर्ष में इंटर्नशिप की तलाश कर रही थी। रितुपर्णा की शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रोजेक्ट्स और साक्षात्कारों ने उन्हें रोल्स-रॉयस कंपनी में इंटर्नशिप दिलाने में मदद की। हालांकि इंटर्नशिप की दौरान रोल्स-रॉयस में उनका सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। कंपनी ने उनकी तकनीकी काबिलियत को परखने के लिए रोजाना नए प्रोजेक्ट्स दिए। लेकिन रितुपर्णा का जज्बा ही था कि उन्होंने हर चुनौतियों का सामना बड़ी ही बहादुरी से किया। इसके बाद कंपनी ने उनकी स्नातक पूरा होने से पहले ही उन्हें नौकरी का प्रस्ताव दे दिया, जिसकी सलाना पैकेज लगभग 72 लाख रुपये है। फिलहाल रितुपर्णा अभी कंपनी के लिए ऑनलाइन रूप से काम कर रही है। सातवें सेमेस्टर पूरा करने के बाद वह कंपनी में पूर्णकालिक पेशेवर के रूप में काम करेंगी।

बारहवीं के बाद इन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और संस्थानों से करें एआई कोर्स

नई दिल्ली आजकल छात्रों के बीच एआई सर्टिफिकेट कोर्स की मांग बढ़ रही है। दरअसल एआई के तेजी के विकास के साथ इसमें नौकरी के अवसर तो बढ़े ही साथ ही इस विषय के प्रति छात्रों का रुझान भी बढ़ा है। जहां पहले एआई कोर्स स्नातक छात्रों के बीच लोकप्रिय थे, अब यह कोर्स स्कूली छात्रों के बीच भी अधिक लोकप्रिय हो रहे है। ऐसे में अगर आप भी एआई कोर्स करके अपने कौशल और रचनात्मकता को बढ़ाना चाहते हैं, तो आप ऑनलाइन पोर्टल के साथ-साथ कुछ प्रतिष्ठित संस्थानों से भी एआई में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। एआई कोर्स करने से आपको न केवल नौकरी के अच्छे अवसर मिलेंगे, बल्कि आप इस कोर्स को करके अधिक वेतन वाली नौकरी भी हासिल कर सकते हैं।आईआईटी मद्रास के कोर्सआईआईटी मद्रास ने छात्रों के लिए स्वयं पोर्टल पर एआई पर आधारित पांच ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत की है। इस कोर्स की खास बात ये है कि इन कोर्स में किसी भी स्ट्रीम के छात्र शामिल हो सकते हैं। साथ ही इन कोर्सेज की अवधि 25 से 45 दिन निर्धारित की गई है।आईआईटी हैदराबादअगर आपको एआई में रुचि है, तो आप आईआईटी हैदराबाद से कक्षा बारहवीं के बाद बीटेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। यह कोर्स आपको एआई की बारीकियों से अवगत करेगा। साथ ही चार साल के इस इस कोर्स को करके आप किसी संस्थान से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।आईआईटी मंडीअगर आप एआई के क्षेत्र में अपने कौशल और ज्ञान को और अधिक बढ़ाना चाहते हैं, तो आप स्नातक के बाद आईआईटी मंडी से डेटा साइंस एंड एआई कोर्स में भी शामिल हो सकते है। यह दो साल का कोर्स चार सेमेस्टर में विभाजित है। इस कोर्स में शामिल होकर आपको न केवल एआई की तकनीकी से अवगत कराया जाएगा, बल्कि आप अपनी कम्यूनिकेशन स्किल को भी बेहतर कर सकेंगे।स्किल इंडिया प्लेटफॉर्मअगर आप बारहवीं पास छात्र हैं और एआई कोर्स का रुख करना चाहते हैं, तो आप स्वयं पोर्टल के अलावा, स्किल इंडिया से भी एआई कोर्स कर सकते हैं। साथ ही कोर्सेरा, हार्वर्ड, और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ऑनलाइन कोर्स में भी शामिल हो सकते हैं। इन सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एआई व एमएल कोर्स फ्री में उपलब्ध है।

इंजीनियरिंग, मेडिकल और सीए की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए स्कॉलरशिप, यहां देखें कितनी मिलेगी स्कॉलरशिप

नईदिल्ली,08 अगस्त (एजेंसी)। इंजीनियरिंग, मेडिकल या सीए की पढ़ाई करने वाले छात्र प्रतिभाशाली तो होते हैं। लेकिन कुछ आर्थिक रूप से कमजोर छात्र प्रतिभाशाली होने के बावजूद भी अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़ देते है। इसका मुख्य कारण संस्थानों की अधिक फीस है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए सरकार समय-समय पर स्कॉलरशिप की भी सुविधा देती है, जिसकी मदद से छात्र आसानी से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। आज इस लेख के माध्यम से चार ऐसी ही स्कॉलरशिप के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से छात्र अपनी पढ़ाई बगैर किसी आर्थिक दबाव के पूरी कर सकते हैं।सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप स्कीमअगर आप इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं, तो यह स्कॉलरशिप आपके लिए ही है। इस स्कॉलरशिप में आवेदन करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवारों ने कक्षा बारहवीं में न्यूनतम 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हों। इस स्कॉलरशिप के तहत चयनित उम्मीदवारों को 10,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार इस वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंसजो उम्मीदवार सीए की पढ़ाई कर रहे हैं, वे इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। आईसीएआई की ओर से टॉप-10 रैंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को प्रतिमाह 5 हजार रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, जिन उम्मीदवारों ने 11 से 50 के बीच रैंक प्राप्त की उन उम्मीदवारों को 4000 हजार रुपये की हर महिने आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पर जाकर विजिट कर सकते हैं। कॉमनवेल्थ मास्टर्स स्कॉलरशिपयह स्कॉलरशिप उन छात्रों के लिए आरंभ की गई है, जो यूके की किसी यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करना चाहते हैं। इस स्कॉलरशिप में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को पर जाकर विजिट करना होगा।फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस

यह स्कॉलरशिप मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए शुरू की गई है। अगर आप एमबीबीएस या अन्य किसी मेडिकल कोर्स की पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपपर जाकर इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। आज इस लेख के माध्यम से चार ऐसी ही स्कॉलरशिप के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से छात्र

अपनी पढ़ाई बगैर किसी आर्थिक दबाव के पूरी कर सकते हैं सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप स्कीमअगर आप इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं, तो यह स्कॉलरशिप आपके लिए ही है। इस स्कॉलरशिप में आवेदन करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवारों ने कक्षा बारहवीं में न्यूनतम 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हों। इस स्कॉलरशिप के तहत चयनित उम्मीदवारों को 10,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार इस वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंसजो उम्मीदवार सीए की पढ़ाई कर रहे हैं, वे इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। आईसीएआई की ओर से टॉप-10 रैंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को प्रतिमाह 5 हजार रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, जिन उम्मीदवारों ने 11 से 50 के बीच रैंक प्राप्त की उन उम्मीदवारों को 4000 हजार रुपये की हर महिने आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पर जाकर विजिट कर सकते हैं। कॉमनवेल्थ मास्टर्स स्कॉलरशिपयह स्कॉलरशिप उन छात्रों के लिए आरंभ की गई है, जो यूके की किसी यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करना चाहते हैं। इस स्कॉलरशिप में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को पर जाकर विजिट करना होगा।फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंसयह स्कॉलरशिप मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए शुरू की गई है।

रक्षाबंधन पर न भद्रा का डर ना मुहुर्त का फेर

बहनें दिन भर बांध सकेंगी भाइयों को राखी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सनातन धर्म में रक्षाबंधन पर्व भाइयों के दीर्घायु होने व सुख समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है। बहनें अपने भाइयों की सलामती के लिए रक्षा सूत्र बांधती है। भाई-बहन के अटूट रिश्ते के रूप में रक्षा बंधन पर्व मनाया जाता है। सावन मास की पूर्णिमा को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। भाई और बहन के आपसी विश्वास और समर्पण का त्योहार रक्षाबंधन इस बार 9 अगस्त शनिवार को है। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं है ऐसे में पूरे दिन यह पर्व मनाया जाएगा।

इस बार रक्षाबंधन के दिन भद्रा का साया नहीं है। ऐसे में पूरे दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा और दिन में कभी भी बहनें अपने भाइयों के रक्षा सूत्र बांध सकती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस बार रक्षाबंधन खास और ऐतिहासिक अवसर बनकर आ रहा है। इस वर्ष रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि इस विशेष दिन कई ऐसे योग बन रहे हैं जो भाई-बहन के रिश्ते के लिए आशीर्वाद से कम नहीं हैं। इस बार 297 वर्षों बाद एक ऐसे अद्भुत ग्रह संयोग में आ रहा है, जिसने इस पावन दिन की महत्ता को और भी बढ़ा दिया है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन पर भद्राकाल का साया नहीं रहेगा, यानी बहनें सुबह से लेकर शाम तक कभी भी अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। पिछले तीन वर्षों से भद्रा की वजह से राखी बांधने में देरी होती रही थी, लेकिन इस बार पूरा दिन शुभ और मंगलकारी रहेगा। इस दिन सूर्य और बुध कर्क राशि में होंगे, वहीं चंद्रमा मकर राशि में स्थित होंगे, मंगल कन्या राशि में स्थित होंगे, गुरु और शुक्र मिथुन राशि में स्थित होंगे, राहु कुंभ राशि में होंगे और केतु सिंह राशि में स्थित होंगे। यह योग इस बात का संकेत है कि इसी प्रकार का ज्योतिषीय योग अंतिम बार 1728 में बना था। साथ ही भाग्य की बात यह है कि उस समय भी रक्षाबंधन पर भद्राकाल का प्रभाव नहीं था, और 2025 में भी वैसी ही स्थिति दोहराई जा रही है।इसके अलावा सुबह 5:47 से दोपहर 2:23 तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा, जो इस पर्व को और भी मंगलकारी बना देता है। मान्यता है कि इस विशेष योग में बहनों द्वारा राखी बांधने से भाइयों के जीवन में सौभाग्य, सफलता और समृद्धि का आगमन होता है।

नल-जल योजना के प्लास्टिक पाइप में लगी आग

फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर पाया काबू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार में गुरुवार की देर शाम अचानक आग लग गई। आग स्कूल परिसर में रखे नल-जल योजना के प्लास्टिक पाइपों में लगी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही आसपास के लोगों की नजर उस पर पड़ी और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया और तत्काल इसकी सूचना फायर ब्रिगेड तथा रजगामार पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग काफी तेज थी और पाइपों में अधिक मात्रा में प्लास्टिक होने के कारण आग ने तेजी से फैलाव लिया। इस घटना में बड़ी संख्या में पाइप जलकर खाक हो गए, हालांकि कुछ पाइपों को ग्रामीणों की तत्परता से सुरक्षित निकाला जा सका। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। चूंकि यह घटना बरसात के मौसम में हुई है, इसलिए आग स्वत: लगने की संभावना कम मानी जा रही है। पुलिस इसे संदिग्ध मानकर जांच कर रही है कि कहीं यह किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं। गौरतलब है कि ये पाइप नल-जल योजना के तहत रखे गए थे, जिन्हें आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए उपयोग किया जाना था। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि आग लगने से किसे लाभ हो सकता है और क्या इससे किसी सरकारी योजना को बाधित करने का प्रयास किया गया है।

कोरबा आ रही लिंक एक्सप्रेस के इंजन पर गिरा चट्टान

बड़ा हादसा टला, ट्रेन हुई विलंब

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विशाखापट्टनम से कोरबा आ रही लिंक एक्सप्रेस रात बड़े हादसे का शिकार हुई। हालांकि इसमें किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। लिंक एक्सप्रेस गुरुवार रात राइट टाइम पर चल रही थी। मूसलाधार बारिश के चलते पार्वतीपुरम से रायगढ़ा स्टेशन के बीच रात करीब 11.50 बजे एक विशालकाय चट्टान वहां से गुजर रही ट्रेन के इंजन पर आ गिरा। इससे इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ और पूरी अप डाउन दोनों ही रेल लाइनें धंस गई। इससे ट्रेनों की आवाजाही ठप हो गई। आसपास के स्टेशनों से पहुंची राहत और बचाव टीमों ने सारी रात सुधार कार्य किया। उसके बाद तड़के 6 बजे ट्रेनों की रवानगी बहाल हुई। लिंक एक्सप्रेस 6 घंटे देरी से सुबह रवाना होकर 8.30 बजे टिटलागढ़ पहुंची है। इसके दोपहर बाद रायपुर पहुंचने की जानकारी दी गई। ऐसी ही स्थिति रायपुर से गुरुवार शाम रात रवाना हुई ट्रेनों की भी बताई गई है। ये सभी तीन से पांच घंटे देर से विशाखापट्टनम पहुंचने की खबर है।

उमसभरी गर्मी ने किया परेशान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पिछले कुछ दिनों से हल्की-फुल्की खंड वर्षा होने के चलते एक बार फिर उमसभरी गर्मी बढ़ गई है। गुरुवार को शाम 5 बजे तक धूप-छांव वाली स्थिति रही। उसके बाद काली घटाएं छाई और करीब पौन घंटे रुक रुककर बारिश हुई। इससे कुछ हद तक गर्मी से राहत मिली। जुलाई में अच्छी बारिश होने से माना जा रहा था कि अगस्त में भी उसी तर्ज पर बारिश होगी, पर ऐसा अब तक नहीं हुआ है। जिले में कहीं-कहीं हल्की खंड वर्षा ही हुई। इससे एक बार फिर से उमस भरी गर्मी बढ़ गई है। नमीयुक्त इस गर्मी में पंखे तक काम नहीं आ रहे हैं। गुरुवार को भी दिनभर यही स्थिति रही। बाहर निकलने पर लोग पसीने से तरबतर होते रहे। हालांकि शाम को मौसम ने करवट ली और बारिश से राहत मिली। अधिकतम तापमान जहां 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार सुबह भी बूंदाबांदी हुई।

गोठान में बंधे मवेशियों पर हाथी ने किया हमला

भैंस की मौत, बछड़ा हुआ घायल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के पसान रेंज में विगत 5 दिनों से विचरण रहे हाथियों का आतंक लगातार जारी है। हाथियों ने जहां अब तक घरों व फसल को निशाना बना रहे थे, वहीं अब मवेशियों पर भी हमला करना शुरू कर दिया है। रेंज के तनेरा गांव में बीती रात अचानक पहुंचे हाथी ने त्रिलोक सिंह पिता भजन नामक ग्रामीण के गोठान में बंधे मवेशियों पर हमला कर दिया जिससे एक मवेशी (भैंस) की मौत हो गई, वहीं एक बछड़े का पैर बुरी तरह जख्मी हो गया है। हाथी ने अपना गुस्सा पास में खड़े बाइक पर भी उतारा और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित ग्रामीण द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी ने मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आंकलन शुरू किया। वहीं पशु चिकित्सक द्वारा घायल बछड़े का उपचार शुरू किया गया।

बताया जाता है कि तनेरा निवासी त्रिलोक सिंह ने मवेशियों को बांधने के लिए घर से लगभग 200 मीटर दूर जंगल के पास गोठान बना रखा है, जहां उन्होंने अपने मवेशियों को बांधकर रखा था। रात 2 बजे के लगभग क्षेत्र में घूम रहे दो लोनर हाथियों में से एक हाथी गोठान में पहुंच गया और घटना को अंजाम दिया। ग्रामीण को इसकी जानकारी सुबह तब लगी जब वे गोठान पहुंचे तो वहां पर अपने एक नग मवेशी (भैंस) को मृत पाया तथा एक बछड़ा पैर जख्मी होने के कारण चल-फिर नहीं पा रहा था।

कुदमुरा रेंज में विचरण कर रहे 7 हाथी –इस बीच कोरबा वनमंडल के कुदमुरा एवं कोरबा रेंज में बड़ी संख्या में अलग-अलग दलों में विचरण कर रहे हाथियों का अधिकांश दल पड़ोसी धरमजयगढ़ डिविजन के जंगल की ओर चला गया है, जबकि 7 हाथियों का एक दल अभी भी कुदमुरा रेंज के कटकोरा क्षेत्र में सक्रिय है, जिनकी निगरानी वन विभाग द्वारा की जा रही है। हाथियों के इस दल ने यहां उत्पात मचाते हुए आधा दर्जन किसानों के धान फसल को मटियामेट कर दिया है। इससे पहले बड़ी संख्या में कोरबा वनमंडल के जंगल में हाथियों के मौजूद रहने तथा खेतों में पहुंचकर लगातार फसल रौंदे जाने से ग्रामीण काफी परेशान थे, वहीं वन विभाग को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बालको चेकपोस्ट फाटक में घंटों फंसे रहे लोग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शुक्रवार को बालको चेकपोस्ट पर लोग फंसकर परेशान होते रहे। लगभग एक घंटे से ट्रेन फाटक पर जाकर बंद पड़ गई। फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही।

मालगाड़ी के फंस जाने से लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी बालको नगर स्थित प्लांट जा रही थी। इससे पहले शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग पर भी ऐसी ही घटना हुई थी, जिसमें बिजली कंपनी की मालगाड़ी फंस गई थी। रेलवे का तर्क है कि इस रास्ते पर चढ़ाई होने की वजह से समस्या होती है। कई बार गाड़ियों के आने की सूचना के बावजूद ट्रैक के बीच लोगों व मवेशियों के आ जाने से भी प्रेशर बन नहीं पाता। लोगों के कामकाज पर असर पड़ता है। लोगों का सवाल है कि आखिर जिन कारणों से जनता परेशान हो रही है, उसका समाधान कौन करेगा? फाटक के पास व्यवसाय कर रहे व्यापारियों की माने तो फाटक बंद होने और लंबे समय तक मालगाड़ी के खड़े होने के कारण दुकान के सामने वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। जिसके चलते धंधे पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में संबंधित विभाग को भी ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ता है। जिले के फाटकों में इस तरह की घटना एक दिन की नहीं हर दो चार दिन में सामने आती है।

जिले के भू विस्थापित एसईसीएल मुख्यालय में करेंगे आवाज बुलंद

13 अगस्त को गेट जाम हड़ताल की चेतावनी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल की गेवरा, दीपका, कुसमुंडा और कोरबा परियोजनाओं से प्रभावित भूविस्थापितों व परिवारों ने एक बार फिर अपनी लंबित मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। माटी अधिकार मंच के बैनर तले प्रभावितों ने 13 अगस्त को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में गेट जाम हड़ताल की चेतावनी दी है।

आंदोलन अनिश्चित कालीन रहेगा और तब तक जारी रहेगा। जब तक सभी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की जाती। भू-विस्थापितों और प्रभावितों की प्रमुख मांगों व समस्याओं में रोजगार, मुआवजा, पुनर्वास, फसल क्षति की भरपाई, वैकल्पिक रोजगार और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी व अन्य मांगे शामिल है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि एसईसीएल प्रबंधन ने अब तक सिर्फ आश्वासन दिए हैं और शासन-प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। माटी अधिकार मंच के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि आंदोलन को लेकर एसईसीएल सीएमडी को 13 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया है, जिसमें तत्काल कार्यवाही की मांग की गई है। उन्होंने कहा है कि दो खातेदारों की भूमि जोड़कर केवल एक को रोजगार देना नियमों का उल्लंघन है। संगठन की मांग है कि संयुक्त खातों को अलग मानते हुए सभी को रोजगार दिया जाए।

उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशों का भी पालन करना चाहिए। अर्जन के बाद जन्मे नामांकित वारिसों को भी रोजगार मिलना चाहिए। लेकिन एसईसीएल इसे लागू नहीं कर रही। मध्यप्रदेश पुनर्वास नीति के तहत रोजगार देने का लिखित आश्वासन होते हुए भी छोटे खातेदारों को वंचित किया गया। शासकीय भूमि या अन्य के भूमि पर बने घरों के बदले पुनर्वास या राशि नहीं दी जा रही। इससे हजारों परिवार बेघर होने की कगार पर हैं। पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना ग्रामीण इलाकों के समीप उत्खनन कार्य किया जा रहा है, जो सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। भूविस्थापितों का कहना है कि प्रशासन बल प्रयोग कर भूमि दिला रहा है, जिससे प्रबंधन समस्याओं को सुलझाने गंभीर नहीं है। इसे देखते हुए आंदोलन की चेतावनी दी गई है। गेट जाम आंदोलन में गेवरा, दीपका, कुसमुंडा और कोरबा एरिया से सैकड़ों की संख्या में भूविस्थापित पहुंचेंगे।

संयुक्त ट्रेड यूनियन 11 अगस्त से करेगा क्रमिक भूख हड़ताल

20 सूत्रीय मांगों के निराकरण नहीं होने से नाराजगी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल के गेवरा प्रोजेक्ट के श्रमिक संगठनों ने हड़ताल की चेतावनी दी है। संयुक्त केन्द्रीय श्रमिक संगठन एचएमएस, एटक, इंटक और सीटू की ओर से एसईसीएल गेवरा प्रोजेक्ट के महाप्रबंधक को अपनी मांगों को लेकर पत्र दिया गया है। मांगे पूरी नहीं होने पर हड़ताल की चेतावनी दी है।

श्रमिक संगठनों ने बताया कि उन्होंने 28 मई को महाप्रबंधक को पत्र लिखकर अपनी श्रमिक हितों से जुडे 20 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए बैठक करने का आग्रह किया था। लेकिन अभी तक इसका कोई निराकरण नहीं हुआ है। श्रमिक संगठनों ने बताया कि वे 11 अगस्त से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू करेंगे। इसके बाद चक्का जाम, घेराव, प्रदर्शन और आमरण अनशन किया जाएगा। श्रमिक संगठनों ने महाप्रबंधक को पत्र में लिखा है कि वे अपनी मांगों के निराकरण के लिए चर्चा को तैयार लेकिन प्रबंधन का रवैया नकारात्मक है। यही कारण है कि उनको हड़ताल की चेतावनी देनी पड़ रही है। इस मामले में श्रमिक संगठनों ने एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर केंद्रीय श्रमायुक्त बिलासपुर और अन्य अधिकारियों को भी पत्र लिखा गया है।

चालक से नगदी व मोबाइल की लूट

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में लुटेरों के हौसले बुलंद हैं। बीती रात लगभग 3 बजे तीन नकाबपोश युवकों ने एक ट्रक ड्राइवर को चाकू की नोक पर डरा-धमकाकर 6 000 रुपए नगद एवं जियो कंपनी का कीपैड मोबाइल छीन लिया।

घटना प्रेम नगर स्थित मेन रोड जैलगांव चौक के पास हुई। जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक च 12 एस 0526 का चालक रात में वाहन लेकर जा रहा था, तभी रास्ते में तीन नकाबपोश युवक अचानक सामने आ गए। उन्होंने चाकू दिखाकर चालक को धमकाया और जेब से नगदी व मोबाइल लूटकर मौके से फरार हो गए। ट्रक ड्राइवर लूट की रिपोर्ट दर्ज कराने थाना पहुंचा। पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

हर घर तिरंगा लगाने और यात्रा की बनी रूपरेखा

मोर तिरंगा मोर अभियान के तहत नगर मंडल में हुई कार्यशाला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मोर तिरंगा मोर अभियान और घर-घर तिरंगा - हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में नगर मंडल की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में 10 से 13 अगस्त तक महापुरुषों की प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाने, प्रतिमा का माल्यार्पण करने, तिरंगा यात्रा निकालने और शक्ति केंद्र स्तर पर हर घर तिरंगा लगाने की विस्तृत योजना पर चर्चा हुई। इसके लिए शक्ति केंद्र प्रभारियों की नियुक्ति भी की गई।

कार्यशाला में भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी मुख्य रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में हितानंद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष सतविंदर पाल बग्गा, कोरबा मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, प्रदेश पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंत्री रितु चौरसिया, जिला अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष सरजू अजय, पूर्व मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह, मंडल महामंत्री राम शंकर साहू और राहुल शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक उत्तम जायसवाल, सह संयोजक एवं मंडल उपाध्यक्ष पूर्णिमा पासवान, सूरज पांडे, मंडल उपाध्यक्ष प्रमिला सागर, पूर्व मंडल महामंत्री एवं वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद युगल केवट, मंडल कोषाध्यक्ष सुकेश दलाल, मंडल मंत्री शांति यादव, राजेंद्र सिंह राजपूत, वार्ड क्रमांक 7 की पार्षद धनश्री साहू, वार्ड 8 की पार्षद रूबी सागर, वार्ड 9 की पार्षद राधा महंत, वार्ड 10 के पार्षद उपेंद्र पटेल, वार्ड 12 की पार्षद सुलोचना यादव समेत शक्ति केंद्र संयोजक, सह संयोजक और बूथ अध्यक्ष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला में वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाकर अधिकतम घरों में तिरंगा फहराने और राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

मोर तिरंगा मोर अभिमान अभियान के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आशीर्वाद प्वाइंट में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला जिला संगठन के प्रभारी गोपाल साहू के मार्गदर्शन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी और कार्यक्रम संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन तथा छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर रहे। उनके वक्तव्यों ने समूचे सभागार को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। कार्यशाला का उद्देश्य 'मोर तिरंगा यात्रा' के माध्यम से जन-जन में देशभक्ति की भावना को जागृत करना, युवाओं को राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना, और देश के प्रति समर्पण एवं तिरंगे के सम्मान को मजबूत करना था। अभियान के अंतर्गत 10 से 15 अगस्त तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35, प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-